डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746
मीडिया दृष्टिकोण
वर्ष : 09 > अंक : 43 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

सत्य की आवाज़ नहीं दबाई जा सकती है। -शालिनी श्रीवास्तव
website: www.hsnews.in
साप्ताहिक समाचार पत्र
जयपुर, शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023

सरकार पर सवालिया निशान छोड़कर फाँसी पर झूल गया दलित रामप्रसाद मीणा!

आख़िर कितने रामप्रसाद होंगे शहीद?

राजधानी में राजनैतिक रसूखदारों, भूमाफ़ियाओं, बिल्डरों,व्यापारियों के अवैध धंधे,अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों में सरकार की अनदेखी है आत्महत्या का कारण!

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचर)। चांदी की टकसाल, कंवरपुरा में मौत के साथ प्रश्नों की मशाल लिए दलित वर्ग का रामप्रसाद मीणा भले ही निरुत्तर दुनिया से विदा हो गया लेकिन राजस्थान सरकार और जनता के बीच प्रश्नों की जाजम बिछा गया कि -

- आख़िर एक आम आदमी पर तुरंत कार्यवाही क्यों करता है शासन या प्रशासन?
- राजनैतिक रसूखदारों के बड़े-बड़े ग़ुनाह माफ़ क्यों कर दिए जाते हैं?
- क्यों नज़रंदाज़ कर दिया जाता है बहुमंज़िला बिना स्वीकृति के बनते हुए अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को ?
- बिना भू-रूपांतरण आवासीय में होते कामर्शियल अवैध निर्माण निगम या जेडीए को नज़र क्यों नहीं आते?
- क्या वजह है कि अवैध निर्माणों का गढ़ बनती जा रही राजधानी सरकार की निग़ाहों से ओझल है?
- शहर के बाहर भी अवैध कॉलोनियाँ बस रही हैं विलाएँ बन रहीं हैं,आख़िर क्यों और कैसे बन और बस जाती हैं अवैध बस्तियाँ?
- क्या वजह है कि इकोलॉजिकल जोन या हाइटेंशन लाइन के नीचे होटल,रेस्टोरेंट, स्कूल,बसावट हो जाती है और कोई कार्यवाही नहीं होती?
- अवैध धंधे क्यो फल-फूल रहे हैं राज्य में?
- क्यों आवासीय क्षेत्र ख़त्म हो रहे हैं क्यों शांति भंग हो रही है शहरों की?
- क्यों सड़कें जाम हैं?
- क्यों यातायात अवरुध्द है हर जगह?

सबका एक ही जवाब है शासन-प्रशासन की लिप्तता मिलीभगत और रिश्वतों से पूर्ति। बड़ी-बड़ी अवैध रक़म का लेन-देन होता है विभागों में । ऊपर से लेकर नीचे तक का तंत्र बिक जाता है और फिर खेल शुरू होता है भूमाफियाओं, बिल्डरों और व्यापारियों का। अवैध निर्माण,अतिक्रमण, अवैध धन्धे,अवैध काम ऐसे ही नहीं फलते-फूलते इन्हें संरक्षण और आशीर्वाद प्राप्त होता है शासन और प्रशासन के पूरे तंत्र का।

होटल रॉयल शेरेटन,कंवरपुरा जिसके विस्तार के लिए अवैध होटल बनाया जा रहा था मंदिर की ज़मीन पर होटल मालिक मुंजी टॉक द्वारा।

अवैध निर्माण कर बनाया गया होटल जो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के संज्ञान में आते ही धराशायी हो गया।

मामला क्या था?

आख़िर इन्हीं सब मुद्दों में से किसी एक मुद्दे पर जयपुर में दलित युवक रामप्रसाद मीणा ने गत सोमवार को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी से पहले रामप्रसाद ने एक वीडियो बनाया और वीडियो में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत राजनैतिक रसूख से जुड़े देवेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल रॉयल शरेटन के मालिक मुंजी टांक, देवा अवस्थी,लालचंद देवनानी पर परेशान करने का आरोप लगाया कि वीडियो में उसने कहा कि उसकी जमीन के सभी डॉक्युमेंट्स होने के बावजूद भी उसे नगर निगम हैरीटेज हवामहल जोन द्वारा मकान नहीं बनाने दिया जा रहा। इन लोगों की वजह से मेरी माँ गुलाबी देवी और पत्नी सुमन मीणा बीमार रहती है। हर जगह शिकायत देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई।

अभिषेक मीणा पुत्र मृतक रामप्रसाद मीणा

मृतक रामप्रसाद मीणा के बेटे अभिषेक मीणा ने बताया कि पापा जानते थे उनकी मौत के बाद पुलिस पूरे मामले को दबा देगी। इसलिए उन्होंने मरने से पहले वीडियो बनाकर मेरी दोनों बहनों और मुझे भेज दिया। पुलिस जब तक उनका मोबाइल अनलॉक करती और देखती तब तक हमने वीडियो ज़्यादातर लोगों को पहुँचा दिया। कैबिनेट मंत्री महेश जोशी सहित बाक़ी लोगों ने (ऊपर दिए गए नाम दोहराकर) पापा को इतना परेशान किया कि वह अपनी जान लेने पर मज़बूर हो गए।

पापा खुद की ज़मीन पर मकान बनाना चाहते थे जिसका पट्टा भी है हमारे पास (दस्तावेज़ दिखाते हुए) इसे लेकर दादी गत शनिवार को कैबिनेट मंत्री महेश जोशी से मिली लेकिन उन्होंने कोई मदद नहीं की और बदसलूकी की जिसकी वजह से पापा यानी रामप्रसाद मीणा बहुत दुःखी हो गए थे और बार-बार दादी को कह रहे थे कि मैं बहुत शर्मिंदा हूँ कि आपके साथ ऐसा व्यवहार हुआ।

रामकिशोर मीणा (मृतक रामप्रसाद का पिता)

रामप्रसाद के पिता रामकिशोर मीणा जो कि चाय की थड़ी लगाते हैं उन्होंने भी अपनी बात में अपनी पत्नी के साथ हुई बदसलूकी का ज़िक्र किया और बार-बार हवामहल नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रताड़ित करने,काम रोकने,गार्ड बैठाने का आरोप लगाया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रभावशाली लोगों द्वारा होटल बनाने के लिए गरीब का उत्पीड़न करना और उस पर पीड़ित का आत्महत्या करना दुखद घटना है जिला प्रशासन ऐसी घटनाओं पर संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई करें गरीबों को प्रभावशाली लोगों के उत्पीड़न से बचाने के लिए जिला अधिकारियों को सक्रिय होना चाहिए।

कांग्रेस नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि मैं हैरान हूं इतनी देरी क्यों हुई है। आदिवासी समुदाय के व्यक्ति ने आत्महत्या की यह बेहद दुःख की बात है। हम यहां दुःख साझा करने आए हैं। इस पूरी घटना की जाँच होनी चाहिए।पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। पायलट ने कहा कि हम कौन होते हैं यह कहने वाले कि किसे पद पर रहना चाहिए या किसे नहीं मगर निष्पक्ष जांच की मांग बहुत जरूरी है। पीड़ित परिवार को जांच होती हुई दिखनी भी चाहिए और उसमें लीपापोती नहीं होनी चाहिए।

पाँच दिन से धरनास्थल पर मौजूद भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या के लिए न्याय मांगते लोग आज पाँचवे दिन भी धरने पर हैं।दुर्भाग्यपूर्ण है कि गहलोत सरकार अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है केवल 03 अपराधियों को गिरफ़्तार किया गया है। मेरी मांग है कि पीड़ित परिवार को शीघ्रता से न्याय मिले और इस पाप में शामिल सभी दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही हो।

सांसद दीया कुमारी ने आगे कहा कि राजधानी में जब सरकार की नाक के नीचे एक गरीब परिवार के साथ अन्याय हो रहा था तब सारे जनप्रतिनिधि क्या तमाशा देख रहे थे? सांसद दिया ने पीड़ित परिवार को आरोपियों के ख़िलाफ़ पूर्ण कार्यवाही का आश्वासन दिलाया। उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखा जाएगा। सरकार भ्रष्टाचारियों के ख़िलाफ़ कार्यवाही कर मृतक के परिवार को शीघ्र न्याय एवं सहायता प्रदान करे। राज्य सरकार इस ओर ध्यान दें कि प्रदेश में ऐसी शर्मनाक घटना की पुनरावृति न हो।

रामप्रसाद की आत्महत्या के चार दिन बाद स्थिति

मृतक रामप्रसाद मीणा का चार दिन बाद कल गुरुवार को पोस्टमार्टम हो ही गया । मामले में दोपहर के बाद सुभाष चौक इलाके में पुलिस ने राकेश नाग,देव अवस्थी और लाल देवनानी को गिरफ़्तार कर लिया इसके बाद मीणा परिवार पोस्टमार्टम के लिए राजी हुआ है। हालांकि क्राइम ब्रांच पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर रही है लेकिन अब भी कुछ अपराधी आज़ाद घूम रहे हैं । कल सुबह सुनवाई न होने पर मीणा परिवार की महिलाओं ने चांदी की टकसाल की मुख्य सड़क पर आकर चक्का जाम कर दिया था। मामला बहुत गर्माता देखकर पुलिस को कार्यवाही करनी ही पड़ी अन्यथा सारे अपराधी ज्ञात होते हुए भी किसी को गिरफ़्तार नहीं किया गया था।

सरकार जाँच करवा ले: जोशी

कैबीनेट मंत्री महेश जोशी ने अपनी सफाई में कहा कि मीणा परिवार के साथ मेरी सम्वेदनाएँ हैं। रामप्रसाद का परिवार मुझसे सिर्फ एक बार मिला था और मैंने उनको शिकायत लिखित में देने के लिए कहा था जो उन्होंने दी नहीं।जोशी ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ काम रोकने और दोनों पक्षों को सुनने के लिए कहा था।जोशी ने कहा कि इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। सरकार जांच करवा ले।मैंने किसी भी महिला के साथ बदसलूकी नहीं की चाहें तो मेरे यहाँ लगे सीसीटीवी फुटेज चेक कर लिए जाएँ। परिवार के साथ न्याय हो यह मेरी भी इच्छा है।

दलित रामप्रसाद की मौत ने रोंगटे खड़े कर दिए हैं आम जनता के। किस तरह भ्रष्टाचार आम आदमी का जीना दूभर कर रहा है? अधिकारियों मंत्रियों की मनमानी मौत का कारण बन रही है। गहलोत सरकार से माँग है कि ऐसे भ्रष्टाचारियों पर सख़्त कार्यवाही करें और पीड़ित परिवार की माँग को पूर्ण करें अन्यथा आंदोलन जारी रहेगा।

■ **राकेश आमजन,** समाजसेवी

राजस्थान में जंगलराज चल रहा है। पट्टा होने के बावजूद आम आदमी का निर्माण रोका जाता है और पास ही हो रहा अवैध निर्माण निगम को नज़र नहीं आता इससे बड़ा भ्रष्टाचार और क्या हो सकता है। यह सरकार ठगों की सरकार है रिश्वत देने वालों के काम होते हैं।

■ **जितेंद्र मीणा,** भाजपा महामंत्री एवं पूर्व राज्यमंत्री

कांग्रेस सरकार में महिला सुरक्षा और सम्मान पर यह बड़ा प्रश्नचिन्ह है कि मृतक रामप्रसाद की माँ के साथ कैबिनेट मंत्री महेश जोशी ने बदसलूकी की। वो महिला केवल अपने मकान के निर्माण की गुहार लेकर उनके पास गई थी। यह बेहद शर्मनाक वाकया है कि मंत्री महेश जोशी यहाँ के स्थानीय विधायक भी हैं और यहीं की जनता के दर्द से जुड़ें हुए नहीं हैं। पीड़ित परिवार को न्याय मिले यही हमारी माँग है

■ **रेखा राठौड़** (वार्ड पार्षद 47 सिविल लाइन)

अब कानोता में कांड

शोषण के नाम पर कितने रामप्रसाद होंगे शहीद ?

- **संजय पांडे कानोता निवासी ने शोषित होकर की आत्महत्या**
- **अवैधनिर्माण, अतिक्रमण, शोषण, अन्याय से पीड़ित होकर कितने मासूमों की जान लेगा भ्रष्टाचार?**
- **सरकार और प्रशासन पर कई बड़े सवाल खड़े करती है ये आत्महत्याएँ?**
- **कानून व्यवस्था कांग्रेस विधायकों के हाथ में है, जो अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में 'मिनी-सीएम' बन गए हैं: किरोड़ीलाल मीणा**

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 17 अप्रैल को शासन प्रशासन की भ्रष्टता से परेशान होकर रामप्रसाद मीणा ने ख़ुदकुशी कर ली जिसमें कैबिनेट मंत्री महेश जोशी सहित कई बड़े प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए और यह जंग अभी पूरी भी नहीं हुई थी सरकार की निष्क्रियता के ख़िलाफ़ कि 20 अप्रैल को जयपुर के ही कानोता थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने फिर पीड़ित होकर फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली।

मृतक के परिजनों ने गुरुवार को पुलिस को एक ऑडियो क्लिप दिया जिसमें मरने से पहले व्यक्ति ने अपने मालिक पर प्रताड़ित करने और वेतन नहीं देने का आरोप लगाया।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान संजय पांडे के रूप में हुई है। उसके परिवार के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को पुलिस में तहरीर देकर पांडे के मालिक शब्बीर ख़ान पर आत्महत्या के लिए उकसाने का नामजद आरोप लगाया है।

शब्बीर खान एक ट्रांसपोर्ट कंपनी चलाता है और पांडे उस कंपनी में काम करता था।

उसी दौरान पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''पांडे के परिवार के सदस्यों ने पुलिस को एक ऑडियो क्लिप दिया है, जिसमें उसने कथित तौर पर शब्बीर ख़ान को दोषी बताया है। पांडे ने ऑडियो में यह भी कहा है कि शब्बीर खान को रफ़ीक़ ख़ान का संरक्षण प्राप्त है।'' बस्सी के सहायक पुलिस आयुक्त मेघचंद मीणा ने मीडिया को बताया कि पांडे के बहनोई की ओर से मिली तहरीर के आधार पर शब्बीर के ख़िलाफ़ आत्महत्या के लिए उकसाने का नामजद मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है फिर पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि परिवार के लोग पोस्टमार्टम के लिए राजी नहीं हैं, इसलिए अब तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका।

इस बीच, भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने जयपुर में दावा किया कि ऑडियो में आदर्शनगर विधानसभा के कांग्रेस विधायक रफ़ीक़ ख़ान का नाम है। उन्होंने कहा, ''विधायक रफ़ीक़ ख़ान और उनके कार्यकर्ताओं से परेशान होकर फिर एक ब्राह्मण ने आत्महत्या कर ली है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था कांग्रेस विधायकों के हाथ में है, जो अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में 'मिनी-सीएम' बन गए हैं।

मृतक संजय पांडेय, कानोता, जयपुर

किरोड़ीलाल मीणा आत्महत्या करने वाले पांडे के परिवार वालों से मिलने कानोता गये थे। जयपुर से सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने भी पांडे के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पांडे गौ भक्त थे और विधायक रफ़ीक़ ख़ान के गुंडों द्वारा आगरा रोड स्थित अहिंसा नगर में प्रताड़ित किये जाने से तंग आकर उन्होंने आत्महत्या कर ली।

मीणा ने कहा, ''कब तक यह हिंदू विरोधी सरकार हिंदुओं पर जघन्य अत्याचार करती रहेगी? यह सरकार किस हद तक तुष्टीकरण की गिरफ्त में आएगी?''

जयपुर के आदर्श नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रफ़ीक़ ख़ान से मामले में टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका।

आदर्श नगर से भाजपा के पूर्व विधायक अशोक परनामी ने कहा कि पांडे ने ऑडियो रिकॉर्डिंग में आरोप लगाया कि शब्बीर गौ तस्करी में शामिल था और वह उसे भी शामिल करना चाहता था लेकिन जब उसने मना कर दिया और अपने देय वेतन की मांग की, तो शब्बीर ने उसे धमकी देना शुरू कर दिया।उन्होंने आगरा रोड स्थित पांडे के आवास पर मीडिया संवाददाताओं से कहा, 'राजस्थान में कानून व्यवस्था नहीं है।'

हाउसिंग बोर्ड को मिलेगा एस्टेट कॉन्क्लेव अवॉर्ड

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को 'टाइम्स रियल एस्टेट कॉन्क्लेव' अवॉड्र्स से सम्मानित किया जाएगा। जहां मुख्य अतिथि केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा गेस्ट ऑफ ऑनर दिल्ली रेरा के चेयरमैन आनंद कुमार होंगे।

दरअसल हाउसिंग बोर्ड को यह सम्मान रियल एस्टेट के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल की ओर से 26 अप्रैल को गुरुग्राम में दिया जाएगा। इधर, आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि सम्मान की असली हकदार हाउसिंग बोर्ड की पूरी टीम है, जिसने अपने कार्य को अंजाम देते हुए मंडल को इस मुकाम तक पहुंचाया। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मंडल के अधिकारी और कार्मिकों को बधाई दी। गौरतलब है कि पिछले चार वर्षों में मण्डल को कुल 14 अवार्ड मिल चुके हैं। इनमें मकान विक्रय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉड्र्स, स्कॉच अवार्ड, अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेन्सी, नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल सम्मान, नेशनल हाउसिंग अवॉर्ड, आईबीसी और स्टार ऑफ गवर्नेंस-गोल्ड अवॉर्ड शामिल है।

दख़ल

बदलता मौसम, सूखती जलधाराएँ

हिमालयी नदियों के सूखने की चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिस तरह मौसम करवट बदल रहा है, उसका असर दिखाई देने लगा है। भविष्य में एशिया में गरम दिन बढ़ सकते हैं या फिर सर्दी के दिनों की संख्या बढ़ सकती है। एकाएक भारी बारिश या फिर अचानक बादल फटने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तरह के तापमान में खासा परिवर्तन देखने में आ सकता है।

न्यूयार्क में पांच दशक के बाद जल सम्मेलन संपन्न हुआ। उसमें हिमालय से निकलने वाली गंगा समेत दस प्रमुख नदियों के भविष्य में सूख जाने को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया कि आने वाले दशकों में जलवायु संकट के कारण हिमनदों का आकार घटने से भारत की सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूख सकती हैं। हिमनद पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं। दुनिया के दस प्रतिशत हिस्से में हिमनद हैं, जो दुनिया के लिए शुद्ध जल का बड़ा स्रोत हैं। यह चिंता इसलिए भी है कि मानवीय गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को खतरनाक स्तर तक ले जा रही हैं, जो हिमनदों के निरंतर पिघलने का कारण बन रहे हैं। इस आयोजन में जारी रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक जल संकट से प्रभावित होने वाले देशों में भारत प्रमुख होगा। गंगा, ब्रह्मपुत्र समेत एशिया की दस नदियों का उद्गम हिमालय की तलहटी है। झेलम, चिनाब, ब्यास, रावी और यमुना भी शामिल हैं। ये सभी नदियां 2250 किलोमीटर जलग्रहण क्षेत्र में बहती हैं।

ये अपने जलग्रहण क्षेत्र में 1.3 अरब लोगों को पानी उपलब्ध कराती हैं, जिनमें उत्तर भारत की बड़ी आबादी शामिल है। पानी की समस्या से प्रभावित लोगों में से 80 प्रतिशत एशिया में हैं। यह समस्या भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन में सबसे ज्यादा है। विडंबना है कि जहां पानी की उपलब्धता घट रही है, वहीं पानी की खपत बढ़ रही है। सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली का जलग्रहण क्षेत्र कुल नदी जलग्रहण क्षेत्र का 43 प्रतिशत है। जाहिर है कि इनमें पानी कम होने से बड़ा जल संकट पैदा हो सकता है। इसलिए कि भारत में दुनिया की 17.74 प्रतिशत आबादी है, जबकि उसके पास ताजा पानी के स्रोत 4.5 प्रतिशत हैं। इसलिए कालांतर में नदियों सूखने का संकेत चिंताजनक है। हिमालयी नदियों के सूखने की चेतावनी इसलिए सच लगती है, क्योंकि कनाडा की स्लिम्स नदी के सूखने का घटनाक्रम और नाटकीय बदलाव एक ठोस सच्चाई के रूप में छह साल पहले सामने आ चुका है।

इस घटना को भू-विज्ञानियों ने 'नदी का चोरी चले जाना' कहा था। इसलिए कि यह नदी चार दिन के भीतर ही सूख गई थी। नदी के विलुप्त हो जाने का कारण जलवायु परिवर्तन माना गया था। तापमान बढ़ा और कास्कावुल्श नामक जिस हिमखंड से इस नदी का उद्गम है, वह तेजी से पिघलने लगा। नतीजतन तीन सौ साल पुरानी स्लिम्स नदी 26 से 29 मई, 2016 के बीच सूख गई। जबकि डेढ़ सौ किमी लंबी इस नदी का जलभराव क्षेत्र डेढ़ सौ मीटर चौड़ा था। आधुनिक इतिहास में इस तरह नदी का सूखना विश्व में पहला मामला था। जिस तरह स्लिम्स नदी सूख गई, उसी तरह हमारे यहां सरस्वती नदी के विलुप्त होने की कहानी प्राचीन ग्रंथों में दर्ज है। गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान के द्वार खुलने के बाद आई रिपोर्ट से पता चला है कि जिस हिमखंड से गंगोत्री का उद्गम है, उसका आगे का 50 मीटर व्यास का हिस्सा भागीरथी के मुहाने पर गिरा हुआ है। हालांकि गोमुख पर तापमान कम होने के कारण यह हिमखंड अभी पिघलना शुरू नहीं हुआ है। यही वह गंगोत्री का गोमुख है, जहां से गंगा निकलती है। 2526 किमी लंबी गंगा देश की सबसे प्रमुख और पवित्र नदियों में से एक है।

अनेक राज्यों के करीब 40 करोड़ लोग इस पर निर्भर हैं। इसे गंगोत्री हिमनद से पानी मिलता है। पर 87 सालों में तीस किमी लंबे इस हिमखंड का दो किमी हिस्सा पिघल चुका है। भारतीय हिमालय क्षेत्र में 9575 हिमनद हैं, जिनमें 968 हिमनद उत्तराखंड में हैं। ये हिमनद तेजी से पिघलते हैं, तो भारत, पाक और चीन में भयावह बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी तरह अंटार्कटिका में हर साल औसतन डेढ़ सौ अरब टन बर्फ पिघल रही है, जबकि ग्रीनलैंड की बर्फ और तेजी से पिघल रही है। वहां हर साल 270 अरब टन बर्फ पिघलने के आंकड़े दर्ज किए गए हैं। अगर यही हालात बने रहे तो समुद्र में बढ़ता जलस्तर और खारे पानी का नदियों के जलभराव क्षेत्र में प्रवेश इन विशाल डेल्टाओं के बड़े हिस्से को नष्ट कर देगा। अल्मोड़ा स्थित पंडित गोविंद बल्लभ पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान के वैज्ञानिकों का मानना है कि हिमखंड का जो अगला हिस्सा टूटकर गिरा है, उसमें बदलाव नजर आ रहे हैं।

वैज्ञानिक इसका मुख्य कारण चतुरंगी और रक्तवर्ण हिमखंड का गोमुख हिमखंड पर बढ़ता दबाव मान रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार 28 किमी लंबा और दो से चार किमी चौड़ा गोमुख हिमखंड तीन अन्य हिमखंडों से घिरा है। इसके दाईं ओर कीर्ति और बाईं और चतुरंगी तथा रक्तवर्णी हिमखंड है। अभी हिमखंड की जो ताजा तस्वीरें और वीडियो देखने में आए हैं, उनसे पता चलता है कि गोमुख हिमखंड के दाईं ओर का हिस्सा आगे से टूट कर गिर पड़ा है। इसके कारण गाय के मुख (गोमुख) की आकृति वाला हिस्सा दब गया है। इसकी वजह जलवायु परिवर्तन भी हो सकता है। साफ है, इस तरह अगर गंगा के उद्गम स्रोतों के हिमखंडों के टूटने का सिलसिला बना रहता है, तो कालांतर में गंगा की अविरलता प्रभावित होगी और उसकी विलुप्ति का खतरा बढ़ता जाएगा। गंगा का संकट टूटते हिमखंड ही नहीं, औद्योगिक विकास की वजह से भी है। कानपुर में गंगा के लिए चमड़ा, जूट और बोतलबंद पानी के कारखाने संकट बने हुए हैं। टिहरी बांध बना तो सिंचाई परियोजना के लिए था, लेकिन इसका पानी दिल्ली जैसे महानगरों में पेयजल आपूर्ति के लिए कंपनियों को दिया जा रहा है।

गंगा के जलभराव क्षेत्र में पेप्सी और कोक जैसी निजी कंपनियां बोतलबंद पानी के लिए बड़े-बड़े नलकूपों से पानी खींच कर एक ओर तो मोटा मुनाफा कमा रही हैं, वहीं खेतों में खड़ी फसल सुखाने का काम कर रही हैं। दो ताप बिजली घर यमुना नदी से 97 लाख लीटर पानी प्रति घंटा खींच रहे हैं। इससे जहां दिल्ली में यमुना पार इलाके के दस लाख लोगों का जीवन प्रभावित होने का अंदेशा है, वहीं यमुना का जलभराव क्षेत्र तेजी से छीज रहा है। ब्रिटिश अर्थशास्त्री ईएफ शूमाकर ने बड़े उद्योगों के बजाय छोटे उद्योग लगाने की तरफ दुनिया का ध्यान खींचा था। उनका सुझाव था कि प्राकृतिक संसाधनों का कम से कम उपयोग और ज्यादा से ज्यादा उत्पादन होना चाहिए। शूमाकर का मानना था कि प्रकृति की भी प्रदूषण को झेलने की एक सीमा होती है। मगर 70 के दशक में उनकी इस चेतावनी का मजाक उड़ाया गया। पर अब जलवायु परिवर्तन पर काम करने वाले सरकारी और गैर-सरकारी संगठन उनकी चेतावनी को स्वीकार कर रहे हैं।

आज जिस तरह मौसम करवट बदल रहा है, उसका असर अब पूरी दुनिया पर दिखाई देने लगा है। भविष्य में इसका सबसे ज्यादा बुरा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा। एशिया में गरम दिन बढ़ सकते हैं या फिर सर्दी के दिनों की संख्या बढ़ सकती है। एकाएक भारी बारिश या फिर अचानक बादल फटने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तरह के तापमान में परिवर्तन देखने में आ सकता है। इसका असर पारिस्थितिकी तंत्र पर तो पड़ेगा ही, मानव समेत तमाम जंतुओं और पेड़-पौधों की जिंदगी पर भी पड़ेगा। लिहाजा, समय रहते चेतने और हिमालय से निकलने वाली दस नदियों के सूखने की चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है, ताकि पृथ्वी पर पानी के लिए किसी भी प्रजाति को संकट का सामना न करना पड़े।

प्रांजल कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

तवांग में चीन को कड़ा जवाब

हिमालय के बौद्ध नेताओं के एक ग्रुप ने में अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया है। ग्रुप जेमिथांग के गोरसम स्तूप में नालंदा बौद्ध परंपरा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुआ। हाल में चीन द्वारा अरुणाचल में 11 जगहों के नाम बदलने के बाद ये बैठक अहम मानी जा रही है।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों का नामकरण करने की कोशिश की थी। जिस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। हालांकि अब भारत ने कुछ ऐसा किया है, जिसे कह सकते हैं कि चीन की दुखती रग पर ही हाथ रख दिया है। दरअसल अरुणाचल प्रदेश के तवांग में हिमालयी क्षेत्र के टॉप बौद्ध नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। इस सम्मेलन में अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने भी शिरकत की। ये पहली बार है कि हिमालयी बौद्ध नेताओं ने सीमावर्ती इलाकों में इतनी बड़ी संख्या में एक साथ दौरा किया हो। बैठक में करीब 600 प्रतिनिधी हिस्सा बने, ये बैठक हिमालयी बौद्ध के साथ एक मजबूत रिश्ते को भी दर्शाती है। बता दें कि जेमिथांग अरुणाचल में भारत-चीन सीमा पर भारत का आखिरी गांव है। दिसंबर में तवांग सेक्टर में एलएसी पर चीनी पीएलए सैनिकों की भारतीय सेना के साथ झड़प हुई थी।

अब चीन को जवाब देने अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर के जेमीथांग इलाके में गोरसाम स्तूप में नालंदा बौद्ध परंपरा के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह बेहद दुर्लभ है कि हिमालयी क्षेत्र के बौद्ध नेता इतनी बड़ी संख्या में एक साथ आए हैं। इसे साफ तौर पर चीन को कड़ा जवाब माना जा रहा है। इस सम्मेलन में 600 बौद्ध प्रतिनिधि शामिल हुए। हिमालय क्षेत्र में बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिहाज से यह बड़ा सम्मेलन माना जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि बौद्ध संस्कृति ना सिर्फ संरक्षित करने की जरूरत है बल्कि इसका प्रचार करने की भी जरूरत है। खांडू ने ये भी कहा कि जेमीथांग वो जगह है, जहां से दलाई लामा भारत में दाखिल हुए। ऐसे में यहां सम्मेलन का आयोजन अहम है। तवांग में बौद्ध सम्मेलन क्यों अहम है, इसका जवाब है तवांग मठ। दरअसल अरुणाचल के तवांग में तिब्बती बौद्ध धर्म का दूसरा सबसे बड़ा और अहम मठ है। पांचवें दलाई लामा के सम्मान में 1680-81 में मेराग लोद्रो ग्यामत्सो ने इस मठ की स्थापना की थी।

तवांग मठ और तिब्बत के ल्हासा में स्थित मठ के बीच ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। तवांग मठ के चलते ही अरुणाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वाली कुछ जनजातियों का तिब्बत के लोगों से सांस्कृतिक संबंध है। यहां के मोनपा आदिवासी तिब्बती बौद्ध धर्म को ही मानते हैं। चीन पर आरोप है कि वह तिब्बत की सांस्कृतिक पहचान को मिटाने की कोशिश कर रहा है और वहां चीन के नागरिकों को बसाया जा रहा है। ऐसे में तिब्बत के बाहर तवांग मठ ही है जो चीन के प्रभाव से मुक्त है और चीन को आशंका है कि तिब्बती संस्कृति को खत्म करने की उसकी मंशा तवांग मठ पर कब्जे के बगैर पूरी नहीं हो सकती। साथ ही चीन को डर है कि उसके खिलाफ तिब्बती प्रतिशोध को तवांग मठ से ताकत मिल सकती है। यही वजह है कि चीन तवांग पर कब्जा करना चाहता है। और भारत पर दबाव बनाने समय-समय पर बेजा हरकतें करता रहता है।

अरुणाचल प्रदेश के तवांग में हिमालयी क्षेत्र के टॉप बौद्ध नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन साबित करता है कि यह क्षेत्र भारत का है और चीन का बेजा दखल गलत है।

पेमा खांडू, मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश

बौद्ध नेताओं के सम्मेलन से हम चीन पर दबाव बना सकते हैं। इस तरह के आयोजनों से भारत पूरी दुनिया में तवांग में अपने दावे को मजबूत कर सकता है।

कमर आगा, रक्षा विशेषज्ञ

सुशासन में सहयोगी तकनीकी संरचना

नागरिक केंद्रित व्यवस्था में सुशासन के लिए तैयार डिजिटल अवसंरचना महत्वपूर्ण स्थान ले चुकी है। ई-गवर्नेंस एक ऐसा क्षेत्र और साधन है, जिसके जरिए नौकरशाही का सही प्रयोग करके व्यवस्था की कठिनाइयों को समाप्त किया जा सकता है। इसके अलावा, आनलाइन सेवा देकर सीधे और बिना रुकावट के कार्य संस्कृति को बनाए रखना आसान है। अब देश की विकास यात्रा कमोबेश डिजिटलीकरण पर निर्भर है। ऐसे में डिजिटल अवसंरचना को मजबूत बनाना न केवल समय की मांग, बल्कि आम आदमी तक पहुंच बनाने का एक सशक्त जरिया है। बशर्ते आम आदमी समावेशी और बुनियादी विकास की चुनौतियों से मुक्त होकर सुजीवन की राह पर हो। गौरतलब है कि मजबूत आधारभूत डिजिटल ढांचे से उत्पादकता बढ़ा कर जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करने वाली सेवाओं को समुचित किया जा सकता है।

ई-सुविधा, ई-अस्पताल, ई-याचिका और ई-अदालत जैसे कई ऐसे फलक हैं, जिनसे सुशासन को ऊंचाई देना संभव है। गौरतलब है कि इलेक्ट्रानिक सेवा (ई-सेवा) 1999 में आरंभ किए गए 'ट्विन्स प्रोजेक्ट' का ही परिवर्द्धित संस्करण है, जिसे भुगतान की बुनियादी सेवाओं के लिए हैदराबाद-सिंकदराबाद युगल शहरों में शुरू किया गया था, जो अब पूरे देश में फैल चुका है। गौरतलब है कि डिजिटल अवसंरचना तकनीक, नेटवर्क, तंत्र और प्रक्रियाओं का एक ऐसा संग्रह है, जो मानव घटकों के साथ मिलकर सूचना प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में मदद करता है। जाहिर है, इसका विकास इंटरनेट जैसी व्यापक और सघन संरचना से ही संभव है। भारत की 140 करोड़ की आबादी में लगभग 80 करोड़ की इंटरनेट तक पहुंच है। अनुमान है कि 2025 तक यह आंकड़ा 90 करोड़ हो जाएगा।

भारत में डिजिटल संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में व्यापक प्रयास किए गए हैं। मगर अभी सभी तक इसकी पहुंच संभव नहीं हुई है, ऐसे में ई-गवर्नेंस में निहित सुशासन सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से और सुधार की बाट जोह रहा है। डिजिटल भुगतान जैसी पहल ने वित्तीय सेवाओं को अधिक समावेशी और किफायती बना दिया है। वस्तु एवं सेवा कर इसी डिजिटल अवसंरचना के माध्यम से संग्रह के मामले में नित निए कीर्तिमान बना रहा है। ई-कामर्स के क्षेत्र में हो रही वृद्धि इसी संरचना का एक उदाहरण है। डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग से ई-कामर्स राजस्व 2017 के 39 अरब अमेरिकी डालर से बढ़ कर वर्ष 2020 में 120 अरब डालर हो गया था। राष्ट्रीय कृषि बाजार और ग्रामीण कृषि बाजार की आधारभूत कमियां भी इसी के चलते काफी हद तक दूर हुई हैं। देश भर में 22 हजार ऐसे ग्रामीण बाजार हैं, जो किसानों को स्थानीय स्तर पर उपज बेचने में मदद करते हैं।

इंटरनेट की गति, नेटवर्क की सुरक्षा और कौशल से ही डिजिटल अवसंरचना को बड़ा किया जा सकता है, जिसके चलते ई-गवर्नेंस को भी व्यापक स्वरूप मिलेगा। सरकार का काम आसान होगा, जनता का हित सुनिश्चित करना संभव होगा, साथ ही भ्रष्टाचार, जो विकास की जड़ में मट्ठा डालने का काम कर रहा है, उससे भी उबरने का मौका मिलेगा। मगर यह सब बिना जनता को मजबूत किए, संभव नहीं होगा।

हालांकि इस अवसंरचना का लाभ सभी किसानों तक तभी पहुंचेगा, जब उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल, नेशनल टेलीमेडिसिन नेटवर्क, ई-अस्पताल समेत ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली ने स्वास्थ सेवा की दिशा में कार्य को सरल बनाया है। गौरतलब है कि सार्वजनिक अस्पतालों में आनलाइन पंजीकरण, शुल्क का भुगतान, रक्त उपलब्धता की जानकारी आदि जैसी सेवाओं की शुरुआत साल 2015 में ही हो गई थी। डिजिटल अवसरंचना का शिक्षा के क्षेत्र में भी योगदान बहुत तेजी से बढ़ा है। 'स्वयंप्रभा' 32 राष्ट्रीय चैनलों के माध्यम से शैक्षणिक ई-सामग्री का प्रसारण करने वाला एक कार्यक्रम है और 'ई-पाठशाला' भी इसी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मंच है। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में 65 लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। यह अंग्रेजी समेत तमाम भाषाओं की पुस्तकों तक निशुल्क पहुंच प्रदान करती है। कोविड-19 के समय ई-शिक्षा कारोबार को भी बढ़ावा मिला। 'आडिट ऐंड मार्केटिंग' की शीर्ष एजेंसी केपीएमजी और गूगल की 'भारत में आनलाइन शिक्षा 2021' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में ई-शिक्षा का कारोबार आठ गुना बढ़ने की बात कही गई थी।

गौरतलब है कि 2016 में ई-शिक्षा कारोबार महज 25 करोड़ डालर का था, जबकि वर्ष 2021 में यह दो अरब डालर तक पहुंच गया। जाहिर है, डिजिटल अवसंरचना के बगैर यह आंकड़ा संभव नहीं था। इस दिशा में वृद्धि जारी है। अब तो डिजिटल विश्वविद्यालय भी तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि जब तक देश में बुनियादी समस्याएं व्याप्त रहेंगी, डिजिटल अवसंरचना के बावजूद आम आदमी में बड़ा सुधार संभव नहीं होगा। ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत वैश्विक भूख सूचकांक में 107वें स्थान पर है। 19 करोड़ लोग भुखमरी के कगार पर और 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार हर चौथा व्यक्ति अशिक्षित है। बेरोजगारी और महंगाई का लगातार बढ़ते रहना इस बात का सूचक है कि आम आदमी को डिजिटल अवसंरचना और ई-गवर्नेंस समेत सुशासन का व्यापक लाभ नहीं मिल पा रहा है।

भारत में 2006 में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना का अनावरण किया गया था। नीति के अंतर्गत सेवाओं को वेब-सक्षम बनाया गया। डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी पर खूब जोर दिया गया। इसके बावजूद डिजिटल अवसंरचना के मार्ग में अनेक चुनौतियां अब भी व्याप्त हैं। विषम और दुर्गम क्षेत्रों में जनसंख्या के कम घनत्व और प्राकृतिक बाधाओं के चलते इंटरनेट का न पहुंच पाना डिजिटल सुविधा में रुकावट है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी इंटरनेट तक सीमित पहुंच इसमें बड़ी बाधा है। भारत में ढाई लाख पंचायतें, साढ़े छह लाख गांव और लगभग सात सौ जिले हैं, जहां कोई न कोई स्थानीय समस्या बाधक है।

कुशल कामगारों, इंजीनियरों और प्रबंधकों के आभाव में डिजिटल जुड़ाव को मजबूत ढांचा दे पाना पूरी तरह संभव नहीं है। साइबर सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बनी हुई हैं। डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में मानकीकरण का भी अभाव है। इसमें तकनीकी बदलाव की दरकार आए दिन रहती है। गौरतलब है कि 10 फरवरी, 2023 को भारत के साथ दक्षिण एशियाई देशों के समूह आसियान की डिजिटल मंत्रियों की तीसरी बैठक का आयोजन हुआ था। उसमें साइबर सुरक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग तथा अगली पीढ़ी की स्मार्ट सिटी और 'सोसायटी 5.0' में 'इंटरनेट आफ थिंग्स' के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात निहित थी। सुशासन, ई-शासन और डिजिटलीकरण का ताना-बाना एक समूची व्यवस्था का परिचायक है।

भारत को हाईस्पीड ब्राडबैंड के निर्माण पर ताकत लगाने के साथ-साथ डिजिटल अवसंरचना को सशक्त करने की आवश्यकता है। रोचक यह भी है कि 2018 में भारत में साफ्टवेयर निर्माण करने वाले लोगों की संख्या अमेरिका से अधिक थी। तकनीक, संसाधन और धन के अभाव में भारत का युवा सक्षम उद्यमशीलता को हासिल करने में कठिनाई महसूस कर रहा है। अगर इन्हें आधारभूत संरचना उपलब्ध कराई जाए, तो फिर डिजिटल अवसंरचना को बड़ी ताकत में बदला जा सकता है और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को बल मिल सकता है। इंटरनेट की गति, नेटवर्क की सुरक्षा और कौशल से ही डिजिटल अवसंरचना को बड़ा किया जा सकता है, जिसके चलते ई-गवर्नेंस को भी व्यापक स्वरूप मिलेगा।

सुशील कुमार सिंह
(वरिष्ठ पत्रकार)

सत्यार्थ

मणीन्द्र चन्द्र की सीख

बंगाल में गुष्करा एक छोटा-सा स्टेशन है। एक दिन रेलगाड़ी आकर स्टेशन पर खड़ी हुई। उतरने वाले झटपट उतरने लगे और चढ़ने वाले दौड़-दौड़कर गाड़ी में चढ़ने लगे। एक बुढ़िया भी गाड़ी से उतरी। उस वृद्धा मातृशक्ति ने गठरी खिसकाकर बोगी के दरवाजे पर तो कर ली, किंतु बहुत चेष्टा करके भी उतार नहीं पाई थी। कई लोग उसकी पोटली को लांघते हुए डिब्बे से उतरे और चढ़े भी, पर किसी ने उसकी मदद नहीं की। उस वृद्धा ने कई लोगों से बड़ी दीनता के साथ कहा भी कि वे मेरी गठरी उसके सिर पर रख दें, लेकिन आज की आपाधापी के युग में भला कौन किसी की मदद करने लगा। लोग तो ऐसे जा रहे थे जैसे कि बहरे हों या फिर वह बुढ़िया पागल हो। अचानक ही गाड़ी ने चलने के लिए सीटी बजा दी। बुढ़िया ने देखा कि गाड़ी छूट रही है और उसकी पोटली नहीं उतर पाई तो वह बेचारी अत्यंत दुखित हो गई। उसकी आंखों से टपटप आंसू झरने लगे। लेकिन तभी! एकाएक प्रथम श्रेणी के डिब्बे में बैठे एक सज्जन की दृष्टि उस वृद्धा पर पड़ी। गाड़ी छूट चुकी थी, लेकिन फिर भी उसने गाड़ी की चेन खींची और और डिब्बे से शीघ्रता से उतरकर वृद्धा के पास आया। उसने वृद्धा की पोटली उठाकर उसके सिर पर रख दी और अपने डिब्बे की ओर चल दिया, लेकिन तभी उसे पुलिस सुरक्षा बल ने चेन खींचने के जुर्म में पकड़ लिया। उसने इस अपराध के लिए जुर्माना अदा कर दिया और फिर गाड़ी चल दी। बुढ़िया चलती गाड़ी को देखकर बार-बार उस सज्जन पुरुष को आशीर्वाद दे रही थी-बेटा! भगवान् तेरा भला करें। उस वृद्धा की गठरी उठा देने वाले सज्जन कासिम बाजार के राजा मणीन्द्र चन्द्र नन्छी, जो उस गाड़ी से कलकत्ते जा रहे थे। वे जनता की नजरों में राजा तो थे ही, लेकिन सचमुच भी राजा ही थे, क्योंकि सच्चा राजा वह नहीं है जो धनवान हो, जिसके पास राजपाट हो या फिर बड़ी सेना हो। सच्चा राजा तो वह है जो उदार हो, दीन-दुखियों और दुर्बलों की सहायता करता हो।

एक नज़र

एमएलए दिव्या मदेरणा को दो माह के लिए वाई श्रेणी की सुरक्षा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ओसियां की कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा पर हुए जानलेवा हमले के बाद सरकार ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। उपमहानिरीक्षक पुलिस ने दिव्या मदेरणा की सुरक्षा के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। दिव्या मदेरणा की सुरक्षा की मियाद अगले 2 महीने तक रहेगी। बुधवार को ही दिव्या मदेरणा ने सुरक्षा को लेकर डीजीपी उमेश मिश्रा से मुलाकात की थी, जिसके बाद ही ये आदेश जारी हुए। जोधपुर में भोपालगढ़ कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी के चुनाव में मदेरणा गुट की जीत के बाद पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ और दिव्या के समर्थकों में हंगामा हो गया था। यहां तक कि जाखड़ के समर्थकों ने दिव्या की गाड़ी पर जानलेवा हमला किया था। प्रदेश के पूर्व प्रभारी अजय माकन ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग तक कर डाली थी।

वीडियो भी किए थे जारी

इसके बाद दिव्या मदेरणा ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार को खुद पर हुए हमले की घटना से अवगत कराते हुए सुरक्षा की मांग की थी। दिव्या मदेरणा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर बद्रीराम जाखड़ के उन्हें धमकाते हुए वीडियो भी जारी किए थे, जिसमें बद्रीराम जाखड़ पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में दिव्या मदेरणा को खुलेआम जान से मारने की धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए सरकार ने दिव्या मदेरणा की सुरक्षा को लेकर यह कदम उठाया।

अभ्यर्थियों को राहत: OTR लागू

प्रतियोगी परीक्षाओं में वन टाइम रजिस्ट्रेशन... शुल्क 600 व 400 रुपए

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बार-बार आवेदन शुल्क जमा नहीं करवाना पड़ेगा। अब वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) फीस प्रणाली से एक बार फीस जमा करवा आवेदक सभी परीक्षाओं में बैठ सकेंगे। राज्य सरकार ने ओटीआर के लिए सामान्य वर्ग, राजस्थान के क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के लिए 600 रुपए तथा अन्य श्रेणियों के लिए 400 रुपए का शुल्क निर्धारित कर दिया है। मुख्यमंत्री गहलोत ने सोमवार को वन टाइम रजिस्ट्रेशन फीस प्रणाली में निर्धारित शुल्क के अनुसार परिपत्र जारी करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

वित्तीय भार आएगा 200 करोड़ रुपए

इससे राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ओटीआर फीस के बाद कोई शुल्क नहीं देना होगा। इससे राज्य सरकार पर लगभग 200 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने वर्ष 2023-24 के बजट में ओटीआर के बाद राज्य ने आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं को निशुल्क करने की घोषणा की गई थी।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का CM ने किया लोकार्पण

‘प्रदेश को देश का प्रथम राज्य बनाना मुख्य ध्येय’

कुलदीप गुप्ता
जयपुर। प्रदेश सरकार के प्रयासों से दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और इंडिया हैबिटेट सेंटर की तर्ज पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का निर्माण लगभग 140 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इस सेंटर में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक, व्यापारिक, अकादमिक कार्यक्रमों सहित उच्च स्तरीय बैठकों, सेमिनारों एवं सम्मेलनों का आयोजन किया जा सकेगा। राजस्थान को 2030 तक देश का प्रथम राज्य बनाना राज्य सरकार का मुख्य ध्येय है। ये बातें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जयपुर के झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के लोकार्पण समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स एंड सोशल साइंसेज, सवाई मानसिंह अस्पताल में बहुमंजिला आईपीडी टॉवर, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, विधानसभा में डिजिटल म्यूजियम, गांधी दर्शन म्यूजियम जैसे निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इससे जयपुर एक विश्व स्तरीय शहर बनकर उभर रहा है। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, एम्स, निफ्ट जैसे विश्वस्तरीय संस्थान स्थित हैं। कर्मचारियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से ओपीएस लागू किया गया है।

ये रहे मौजूद

उदघाटन समारोह में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव, कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष अमीन कागजी, राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष रफीक खान, विधायक गंगा देवी, मुख्य सचिव उषा शर्मा, यूडीएच सलाहकार जीएस संधू सहित वरिष्ठ अधिकारी समेत जेडीए के कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकार का प्रयास, यहाँ हो जेएलएफ आयोजित: धारीवाल

सरकार की उपलब्धि गिनाते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि सरकार का प्रयास रहेगा कि आगामी समय में जेएलएफ फेस्टिवल का आयोजन इसी सेंटर में हो। सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए धारीवाल ने बताया कि इस सेंटर का प्लान अप्रैल, 2011 में बना था, तब हमारी सरकार थी। मुख्यमंत्री गहलोत के साथ विचार विमर्श करने के बाद सेंटर का काम 19 अप्रैल, 2013 को शुरू हुआ। हालांकि अगले चुनाव में जनता ने हमें नहीं चुना और सरकार बदल गई, काम हमारे हाथ से निकल गया। बीजेपी की सरकार में यह काम अधूरा पड़ा रहा। जनता ने अगली सरकार हमारी चुनी और तो काम शुरू किया और इस सेंटर का आज उदघाटन हुआ है।

आरआईसी की वेबसाइट और ई-लाइब्रेरी लॉन्च

मुख्यमंत्री गहलोत ने सेंटर में बने मुख्य सभागार, कन्वेंशन हॉल, मल्टीपर्पज हॉल, दोनों मिनी ऑडिटोरियम, दोनों कॉन्फ्रेंस हॉल, बोर्ड मीटिंग हॉल, एक्जीबिशन हॉल, लेक्चर हॉल तथा लाइब्रेरी का अवलोकन किया। गहलोत ने यहां मुख्य आर्किटेक्ट प्रमोद जैन सहित निर्माण कार्य में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया। इसके बाद सेंटर की वेबसाइट लॉन्च की गई। वेबसाइट के माध्यम से सेंटर में होने वाले बैठक, समारोह, सेमिनार आदि के लिए ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा गहलोत ने सेंटर में स्थित पं. जवाहर लाल नेहरू ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण किया।

बढ़ सकती हैं मंत्री शांति धारीवाल की मुसीबतें

एकल पट्टा मामले को गंभीर बता SC ने जारी किए नोटिस

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ एकल पट्टा केस खत्म करने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के मामले में धारीवाल सहित राज्य के गृह सचिव व एसीबी के तत्कालीन डीएसपी संजीव कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने सोमवार को यह आदेश अशोक पाठक की एसएलपी पर दिए। एसएलपी में राजस्थान हाई कोर्ट के 15 नवंबर 2022 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एकल पट्टा मामले में एसीबी में दर्ज एफआईआर और निचली अदालत की कार्रवाई को शांति धारीवाल की हद तक रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को संभावित भ्रष्टाचार वाला गंभीर मामला बताते हुए नोटिस जारी किए। पाठक के वकील संदीप खण्डेलवाल और सुल्तान सिंह ने बताया कि एसएलपी में मांग की गई थी कि भ्रष्टाचार के खिलाफ दर्ज केस की एफआईआर को केवल शिकायतकर्ता के राजीनामे के आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता। यह केस राज्य सरकार का केस है, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ है। वहीं, हाई कोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों की भी अनदेखी की है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली कोर्ट को राज्य सरकार की क्लोजर रिपोर्ट व प्रोटेस्ट पिटिशन तय करने का निर्देश दिया था, जिस पर निचली कोर्ट ने पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट रद्द कर आगामी अनुसंधान का निर्देश दिया था, लेकिन इसी दौरान धारीवाल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चल रहे अनुसंधान व निचली कोर्ट की कार्रवाई को रद्द करने का आग्रह किया।

हाई कोर्ट में बोले- सेटलमेंट हो गया

हाई कोर्ट में धारीवाल का कहना था कि मामले में शिकायतकर्ता व उनके बीच सेटलमेंट हो गया है। इसलिए निचली कोर्ट व एसीबी की कार्रवाई को रद्द किया जाए। इस आधार पर हाई कोर्ट ने मामले में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप होते हुए भी याचिका मंजूर कर एसीबी व कोर्ट की कार्रवाई रद्द कर दी।

यह है मामला: एसीबी ने वर्ष 2014 में परिवादी रामशरण सिंह की गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को एकल पट्टा जारी करने में हुई धांधली की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। एसीबी ने मामले में कंपनी के प्रोपराइटर शैलेन्द्र गर्ग, यूडीएच के पूर्व सचिव जीएस संधू, जेडीए जोन-10 के तत्कालीन उपायुक्त ओंकारमल सैनी, निष्काम दिवाकर और गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों अनिल अग्रवाल व विजय मेहता के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

डेढ़ लाख परिवारों को मिलेगा ब्याज मुक्त ऋण

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ग्रामीण क्षेत्र के वंचित लोगों को संबल प्रदान करने के लिए 1.50 लाख परिवारों को अकृषि कार्यों के लिए 3 हजार करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना ने कहा कि राजस्थान ग्रामीण परिवार आजीविका योजना के तहत केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पात्र आवेदक को 25 हजार रुपए से 2 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। सहकारिता मंत्री ने यह बात सोमवार को सहकार भवन में ऋण आवेदन पोर्टल के लोकार्पण के अवसर पर कहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बजट में जो घोषणा की गई थी, उसे उसी वित्तीय वर्ष में लागू किया गया है।

राजस्थान पर्यटन विकास निगम का बड़ा फैसला

RTDC की होटलों में अभ्यर्थियों सहित 12 विभिन्न श्रेणियों के लिए छूट

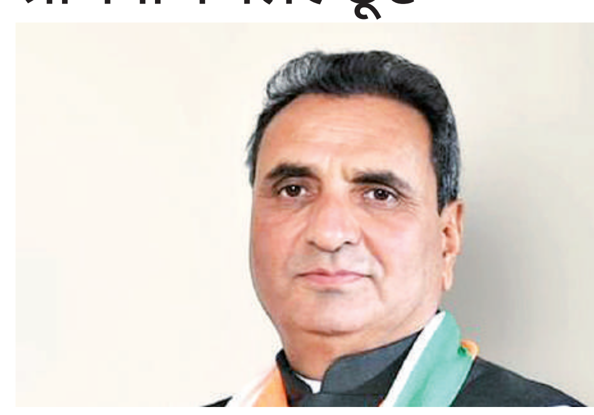

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने अधिस्वीकृत पत्रकारों, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षार्थियों एवं केंद्र व राज्य सरकार के कर्मचारियों की स्थानांतरण की स्थिति सहित 12 विभिन्न श्रेणियों के लिए आरटीडीसी होटल में ठहरने पर विशेष छूट का प्रावधान किया है। आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने कहा कि हाल ही में की गई विशेष छूट की घोषणा पर अमल करते हुए राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी किया है और यह प्रावधान तत्काल रूप से लागू होंगे। राठौड़ ने बताया कि इसके तहत भारत रत्न, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, पद्मश्री से अलंकृत विभूतियों एवं गैलेंट्री अवॉर्ड परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, शौर्य चक्र एवं खेल पुरस्कारों के पुरस्कृत अवॉर्डिज के साथ ही अधिस्वीकृत पत्रकारों, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षार्थियों के साथ ही को भी आरटीडीसी की होटल्स में ठहरने पर शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। यह छूट 1 अप्रैल से 31 मार्च तक मान्य रहेगी।

बल्क बुकिंग पर भी विशेष छूट

उल्लेखनीय है कि आरटीडीसी होटल में 25 से 35 रूम बुकिंग पर 30 प्रतिशत की छूट मिलेगी जो कि एक अप्रैल से 30 सितंबर तक मान्य होगी, इसी श्रेणी में एक अक्टूबर से 31 मार्च की अवधि में 20 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। वहीं 35 से अधिक रूम्स की बुकिंग पर क्रमशः 40 प्रतिशत एवं 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है।

चेन ऑफ कस्टडी ने खोला राज़

RPSC सदस्य कटारा से शेर सिंह लाया था हाथ से लिखा पेपर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। वरिष्ठ अध्यापक पेपर लीक प्रकरण को लेकर एसओजी ने बड़ा खुलासा करते हुए आरपीएससी पर शिकंजा कसा है। एसओजी की जांच में सामने आया है कि इस बार पेपर किसी परीक्षा सेंटर से नहीं, बल्कि पर आयोजक एजेंसी आरपीएससी से सीधे बाहर आया। आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के अजमेर स्थित घर से शेर सिंह हस्त लिखित प्रश्न 60 लाख रुपए में लेकर आया और फिर उसे भूपेन्द्र सारण को 80 लाख रुपए में बेच दिया। फिर, सारण पेपर को सब्लेट करता रहा। इधर, शेर सिंह ने दो किस्तों में कटारा को पैसे दिए। एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि उन्हें जांच मिलने के पहले दिन से ही आरपीएससी से ही पेपर लीक होने का शक था। इस बिना पर एसओजी ने पेपर की चेन ऑफ कस्टडी को खंगाला तो कटारा के किए हुए खेल का सारा राज खुल गया।

कटारा

शेर सिंह

ड्राइवर के जरिए पहुंचा कटारा तक

शेर सिंह मीणा की गिरफ्तारी के बाद राज खुलते गए। उससे पूछताछ से सामने आया कि पेपर लीक में कटारा का भांजा विवेक डामोर व चालक गोपाल सिंह भी शामिल है। शेरसिंह ने कटारा के ड्राइवर गोपाल से दोस्ती कर आरपीएससी सदस्य से भी नजदीकी बढ़ा की। आरपीएससी ने अध्यापक भर्ती परीक्षा के जीके के इस प्रश्न पत्र को सेट कराने की जिम्मेदारी सदस्य कटारा की थी। उन्होंने पेपर सेटर्स से प्रश्न हाथ से लिखवा कर रख लिए और पेपर प्रिंटिंग प्रेस में भेज दिया। परीक्षा से करीब 3 सप्ताह पहले ही हाथ से लिखे हुए छह सेट कटारा घर ले गया और अपने भांजे विजय से लिखवा कर रख लिए। उसके बाद शेरसिंह को बुला मोबाइल में उन प्रश्नों की फोटो खिंचवा दी।

जयपुर में टाइप करवाए गए प्रश्न

शेरसिंह ने जयपुर में शास्त्री नगर में एक टाइपिंग जॉब वर्क करने वाले के पास 4 दिन तक जाकर सारे प्रश्न टाइप करवा पैन ड्राइव में रख लिए। उसने टाइपिस्ट को बताया कि वह टीचर है। वह किसी परीक्षा के लिए पेपर बनाकर भेज रहा हैं। फिर, शेरसिंह ने परीक्षा से करीब एक सप्ताह पहले भूपेन्द्र सारण को टाइप किए प्रश्न 80 लाख रुपए में बेचे। पैसे मिलने के बाद शेरसिंह ने कटारा के भांजे विजय को सोने का कड़ा गिफ्ट किया। शेरसिंह से पेपर मिलने के बाद सुरेश ढाका व भूपेन्द्र सारण ने अभ्यर्थियों से करीब 5-5 लाख रुपए लेकर उन्हें परीक्षा पास कराने का सौदा किया। हालांकि पेपर कितने अभ्यर्थियों यह पता नहीं चला है।

तीनों आरोपी 29 तक रिमांड पर

शेरसिंह ने जिस कम्प्यूटर पर पेपर टाइप करवाया था उस सहित कई उपकरणों को एसओजी ने जब्त कर जांच के लिए एफएसएल भेजा है। वहीं एसओजी ने बुधवार को तीनों आरोपियों को उदयपुर कोर्ट में पेश किया। जहां से तीनों आरोपियों को 29 अप्रैल तक रिमांड पर रखने का आदेश दिया गया है।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को लेकर दिए वक्तव्य में सुधार के लिए दिए प्रार्थना पत्र पर तत्काल सुनवाई से इनकार

संजीवनी सोसायटी प्रकरण में सरकार को हाईकोर्ट से झटका

हिलव्यू समाचार
जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने संजीवनी क्रेडिट सोसायटी मामले में राजस्थान सरकार झटका दे दिया है। कोर्ट ने प्रार्थना पत्र पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी के अनुरोध को ठुकराते हुए न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने यहा तक कह दिया कि आपने क्या कोर्ट का मजाक बना रखा है। कभी कुछ आकर बोलते हैं, कभी कुछ। फिर यह प्रार्थना पत्र आगे बढ़ाते हैं। आज नहीं, कल लगा दो, कल नहीं तो परसों लगा दो, यह कोई तरीका नहीं है। कोर्ट अपने हिसाब से चलता है।

दरअसल, 13 अप्रैल को राजस्थान हाईकोर्ट ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की याचिका पर सुनवाई करते हुए संजीवनी सोसायटी मामले में उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। उस दिन हाईकोर्ट में राजस्थान सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि वर्तमान में याचिकाकर्ता एसओजी की ओर से दर्ज किसी भी मामले में आरोपी नहीं है। जब उनके खिलाफ मामला ही नहीं है तो गिरफ्तारी का अंदेशा गलत है। इसके अगले दिन 14 अप्रैल को राजस्थान सरकार ने एक प्रार्थना पत्र हाईकोर्ट में लगाया कि हमने जो वक्तव्य दिया था, वह हमसे गलत चला गया है, क्योंकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे, जबकि आईओ कोर्ट में थे। इसलिए हम वरिष्ठ अधिवक्ता को बता नहीं पाए कि गजेंद्र सिंह शेखावत आरोपी हैं।

सामान्य प्रक्रिया के तहत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई

राजस्थान सरकार के प्रार्थना पत्र पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के अधिवक्ता आदित्य विक्रम सिंह ने बताया कि राजस्थान सरकार के एएजी अनिल जोशी ने इस विषय का सोमवार को हाईकोर्ट में न्यायाधीश कुलदीप माथुर के समक्ष उल्लेख किया। वरिष्ठ अधिवक्ता सिंधवी ने न्यायाधीश माथुर से कहा कि मुझसे गलत वक्तव्य चला गया, क्योंकि मैं दिल्ली में बैठा था। इस पर न्यायाधीश माथुर ने कहा कि जो प्रार्थना पत्र आपने फाइल किया है, वह सामान्य प्रक्रिया में कोर्ट के समक्ष आ जाएगा। हम किसी प्रार्थना पत्र को रोकते नहीं हैं। आप अपने प्रार्थना पत्र को आने दीजिए, हम उसको देख लेंगे। इसको सामान्य प्रक्रिया के तहत ही कोर्ट में लगने दीजिए। अिधवक्ता सिंह ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिवक्ता हाईकोर्ट में सही से बात बता नहीं पाए हों, क्योंकि उस दिन हाईकोर्ट में आईओ भी थे, एएजी भी थे और उनके बाकी अधिवक्ता भी थे, लेकिन किसी ने भी उस वक्तव्य को नहीं सुधारा।

एएजी ने कहा- गलत चला गया वक्तव्य, सुधार चाह रहे

गजेन्द्र सिंह के अधिवक्ता सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट में मौजूद एएजी अनिल जोशी ने कहा कि यह गलत वक्तव्य चला गया, मेरा आपसे निवेदन है, हम यह नहीं चाह रहे कि गजेंद्र सिंह शेखावत को जो प्रोटेक्शन दी गई है, उसमें बदलाव किया जाए। हम यह चाह रहे हैं कि हमारा सही वक्तव्य आ जाए। इस पर न्यायाधीश माथुर ने एएजी पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपने क्या कोर्ट का मजाक बना रखा है, कभी कुछ आकर बोलते हैं, कभी कुछ। यह कोई तरीका नहीं है। कोर्ट अपने हिसाब से चलता है। आपने प्रार्थना पत्र लगाया है तो समयबद्ध प्रक्रिया में अपने आप लग जाएगा।

अवैध खनन रोकने गए वनकर्मियों से घेराबंदी कर मारपीट

हिलव्यू समाचार
अजमेर। पुष्कर में अवैध खनन रोकने गए वनकर्मियों पर हमला कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। वन भूमि पर अवैध खनन होने की सूचना पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे थे। वहां 30 से 40 महिला-पुरुषों ने उन पर हमला कर दिया। इसमें 3 वनकर्मियों को चोटें आई हैं। वन विभाग के अधिकारी इस घटना को लेकर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। पुष्कर वनपाल नरेंद्र चौधरी ने बताया कि देर रात कानस के बीच की पहाड़ियों में अवैध खनन होने की सूचना मिली थी। वन विभाग की तीन सदस्यों की टीम को मौके पर रवाना किया गया था। मौके पर रात के अंधेरे में खनन किया जा रहा था। करीब 40 से 50 लोग अवैध खनन के कार्य में जुटे हुए थे। वन कर्मियों को देखकर अवैध खनन कर रहे लोगों ने उन पर चोरी का आरोप लगाते हुए हमला कर दिया। वनकर्मी बार-बार अपना परिचय बताते रहे, लेकिन आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से तीनों वनकर्मियों को बंधक बना लिया। इस दौरान उनके साथ मारपीट भी की गई।

वन टीम ने कर्मियों को छुड़ाया

वन कर्मियों में से एक ने अजमेर वन अधिकारी को मामले की सूचना दी। इसके बाद मौके पर अजमेर वन कर्मियों की टीम पहुंची और तीनों वन कर्मियों को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। दरअसल अचानक हुए हमले की वनकर्मियों को उम्मीद नहीं थी। आरोपियों की ओर से घेराबंदी करने से वनकर्मी मौके से भाग नहीं पाए। लिहाजा अवैध खनन कर रहे लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। चौधरी ने बताया कि वनकर्मी हनुमान सिंह, भंवर सिंह, जितेंद्र भड़ाना को चोटें आईं हैं। जेएलएन अस्पताल में तीनों वनकर्मियों का प्राथमिक उपचार करवाया गया है। वनकर्मियों को बंधक बनाने और उनसे मारपीट करने के मामले में उच्च अधिकारियों के आदेश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पायलट शाहपुरा में महायज्ञ में हुए शामिल, खेतड़ी में की जनसभा

राजनीति में जो व्यक्ति ज्यादा मेहनत करेगा, वो दिलों पर राज करेगा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि राजनीति में जो व्यक्ति ज्यादा मेहनत करेगा वह दिलों पर और मुल्क पर राज करेगा तथा वही व्यक्ति आगे बढ़ता है। पायलट ने कहा कि इतिहास से सीख लेते हुए इस 21वीं शताब्दी में हम लोग कैसे आगे बढ़ सकते हैं, इस पर हमें ध्यान देना होगा। कांग्रेस नेता ने सोमवार को शाहपुरा में परमानन्दधाम खोरी में आयोजित श्री सीताराम महायज्ञ में शिरकत कर यज्ञ में आहुति दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बहुत चुनौतियां हैं। समय के साथ-साथ चुनौतियां बढ़ती जाती हैं और उन चुनौतियों का सामना करने के लिए हम लोगों को संकल्पित होना पड़ेगा। इससे पहले पायलट ने शेखावटी के खेतड़ी में एक सभा को भी संबोधित किया।

राज्य मंत्री गुढ़ा बोले...

छठी का दूध याद आ जाएगा

सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कांग्रेस हाईकमान और प्रदेश प्रभारी को चेतावनी देते हुए कहा कि मैं चैलेंज देना चाहता हूं, मां का दूध पिया है तो सचिन पायलट के खिलाफ अनुशासन की कार्रवाई करके बताइए। छठी का दूध याद आ जाएगा। खेतड़ी में टीबा गांव में शहीद की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद हुई सभा में गुढ़ा ने कहा कि मुझे लोग कहते हैं कि मुख्यमंत्री तुम्हें जेल भेज देंगे। जेल का लाइसेंस रिन्यू करने का टाइम आ गया है। राजस्थान की 36 कौम और सभी जाति के नौजवान पायलट के साथ खड़े हैं। जी जान देने के लिए तैयार हैं। जिस दिन जरूरत पड़ेगी। गुढ़ा ने कहा कि करोड़ों लोग यह भाषा नहीं सुन सकते, ये गद्दार, नाकारा निकम्मा है। सभा में ही पायलट समर्थक माने जाने वाले विधायक वेदप्रकाश सोलंकी बोले कि पायलट के बिना कांग्रेस का सत्ता में लौटना नामुमकिन है। पार्टी को चाहिए कि दोनों को एक किया जाए।

कांग्रेस का विधायकों के साथ वन-टू-वन संवाद कार्यक्रम

डोटासरा के कमेंट पर भड़क उठे पायलट गुट के विधायक मीणा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कांग्रेस विधायकों के साथ सत्ता और संगठन को लेकर पीसीसी वार रूम में वन-टू-वन चर्चा की जा रही है। सोमवार को 10 जिलों के विधायकों के साथ वन-टू-वन संवाद किया गया। इस बीच सोमवार को पायलट समर्थक विधायकों ने मुख्यमंत्री गहलोत, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को खरी-खोटी सुनाई। दरअसल, पायलट समर्थक विधायक हरीश मीणा जब फीडबैक देने गए तो डोटासरा ने रंधावा को उनके बारे में परिचय देते हुए बताया कि ये पहले डीजीपी रहे हैं, बीजेपी से एमपी भी थे और यह मानेसर जाने वालों में भी थे। डोटासरा के मानेसर का जिक्र करते ही हरीश मीणा ने नाराज होते हुए कहा कि इस तरह बार-बार यह बोलेंगे तो जीतना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा। हमें प्रियंका गांधी और अहमद पटेल ने बुलाकर बात की थी। ये उनसे बड़े हो गए क्या? विधायक के तेवर बिगड़ते देख रंधावा ने हरीश मीणा को शांत किया और समझाया।

सचिन को साथ लेना जरूरी

वहीं पायलट विधायक राकेश पारीक ने भी मानेसर मामले को लेकर कहा कि चुनावी साल में बार-बार मानेसर का जिक्र करके आप क्या संदेश देना चाहते हैं? जब राहुल गांधी ने सचिन पायलट को असेट बता दिया और अशोक गहलोत को भी असेट बता दिया तो अब ये सवाल उठाना ही गलत है। उन्होंने कहा कि चुनावी साल में इस तरह की बातें नहीं की जानी चाहिए। इस तरह की बातें करके हम पार्टी को मजबूत नहीं कर रहे हैं। पायलट को भी साथ लेकर चलना होगा। अगर सचिन को साथ नहीं लिया तो सरकार नहीं बनेगी।

नाम लिए बगैर पायलट पर निशाना

भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच की मांग को लेकर अनशन करने वाले पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर एक बार फिर कैबिनेट मंत्री रामलाल जाट ने निशाना साधा है। रामलाल जाट ने सचिन पायलट कैंप का नाम लिए बगैर कहा कि हमारे दल में कुछ ऐसे नेता आ जाते हैं, जिससे पार्टी की बदनामी हो जाती है। रामलाल जाट ने आज वन-टू-वन संवाद के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही भ्रष्टाचार के खिलाफ है और भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस ने अपनी पार्टी के नेताओं को जेल तक भेजा है। वहीं जाट ने जिलों के गठन को लेकर भी फीडबैक और सुझाव दिए।

भाजपा ने एंटी इनकम्बेंसी को लेकर राज्य सरकार को घेरा

कांग्रेस विधायकों के वन-टू-वन संवाद में पूछे जा रहे सवालों को लेकर सरकार को घेरते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार हार के डर से विधायकों से बात कर रही है। विधायक सरकार से नाराज थे और सरकार को विधानसभा में घेर रहे थे। वे कह रहे थे कि अब कांग्रेस के सिटी बस में आने लायक विधायक जीतेंगे। कांग्रेस धर्म और जात देखती है। कांग्रेस का अपने विधायकों से जातीय आधार पर पूछा गया पहला सवाल ही समाज को तोड़ने की सोच का प्रमाण है। वहीं जयपुर ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत करनावट ने कहा कि रायशुमारी का पहला प्रश्न ही विधायकों से उनके विधानसभा के जातिगत व धार्मिक आधार को लिए हुए है, जो साबित करता है कि कांग्रेस सरकार चुनाव में अपनी उपलब्धियों के बजाय जातीय व धार्मिक समीकरणों पर जाएगी।

विधायकों ने रखी अपनी बात

संवाद में पंहुचे विधायकों ने सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदम को लेकर चर्चा की। इस दौरान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने मुख्यमंत्री के सामने बजरी की कीमतों में कमी करने का सुझाव दिया। वहीं विधायक दिव्या मदेरणा ने मुख्यमंत्री से सुरक्षा की मांग करते हुए सरकार की योजनाओं को पूरा करने और प्रशासन की कार्यप्रणाली और जनप्रतिनिधियों को लेकर शिकायत की। डेगाना से विधायक विजयपाल मिर्धा ने संवाद करने के बाद ड्राइवर मामले में कहा कि मामले में चाहे तो सीबीआई से जांच करवा ली जाए। अगर इस मामले में मैं दोषी साबित हुआ तो राजनीति से संयास ले लूंगा।

राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलंपिक खेल 23 जून से

मुख्यमंत्री ने 130 करोड़ के वित्तीय प्रस्ताव को दी मंजूरी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में एक बार फिर से राजीव गांधी ग्रामीण खेलों के साथ शहरी ओलंपिक खेलों का बिगुल बजेगा। ग्रामीण ओलंपिक की सफलता और खिलाड़ियों के उत्साह को देखते हुए अब ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का एक साथ आयोजन होगा। इन खेलों के आयोजन में लगभग 130 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आयोजन के लिए वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसका आगाज 23 जून से होगा। शीघ्र ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। खेल दिवस 29 अगस्त, 2023 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने बजट में राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए घोषणा की थी।

ये होंगे खेल

ग्रामीण क्षेत्र में कबड्डी, खो-खो (महिला वर्ग), शूटिंग बॉल (पुरुष वर्ग), टेनिस बॉल क्रिकेट, फुटबॉल, वालीबॉल, रस्साकशी (महिला वर्ग) खेल होंगे। शहरी क्षेत्र में कबड्डी, बास्केट बॉल, टेनिस बॉल क्रिकेट, खो-खो (महिला वर्ग), फुटबॉल (पुरुष वर्ग), वॉलीबॉल, एथलेटिक्स (100, 200 व 400 मीटर) खेलों में प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

भाजपा की जनाक्रोश सभा

सीएम भाषण में मेरे ऊपर ही करते हैं ज्यादा फोकस: गजेंद्र सिंह

जयपुर। जोधपुर में भाजपा ने राज्य सरकार को घेरते हुए सोमवार को जनाक्रोश सभा की और रैली निकाल कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी व केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। वहीं सभा में भाजपा ने कांग्रेस पर जमकर आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह सहित अन्य बीजेपी नेताओं ने प्रदेश के मुखिया पर निशाना साधा। महाघेराव को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत इन दिनों अपने भाषण सबसे ज्यादा फोका मेरे ऊपर ही करते हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ रही हैं। राज्य सरकार साढ़े चार साल तक गैंगस्टर्स को पनपाती रही और अब जब खुद के नेस्तानाबूद होने का समय आया तो गैंगस्टर्स को नेस्तानाबूद करने का ऐलान कर रहे हैं। शेखावत ने कहा कि वर्तमान सरकार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार और मोदी सरकार की योजनाओं के नाम बदलकर अपना काम चला रही हैं। जो योजना इस सरकार ने अपनी बनाई, उसे लागू नहीं कर पाई। शेखावत ने केंद्र सरकार की जल-बिजली योजनाओं में भी राज्य सरकार के पिछड़ने के आरोप लगाए।

स्वायत्त शासन मंत्री ने किया चम्बल रिवरफ्रंट का निरीक्षण

विश्व स्तरीय स्मारकों का आधुनिक पर्यटक स्थल बनेगा हेरिटेज रिवरफ्रंट

हिलव्यू समाचार
कोटा। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि चम्बल नदी पर बना रिवरफ्रंट हेरिटेज होने के साथ विश्वस्तरीय स्थापत्य कला को अपने में समेटे हुए है। महज 3 साल में 6 किलोमीटर लम्बाई में बना यह रिवरफ्रंट विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में कोटा की पहचान बनेगा। स्वायत्त शासन मंत्री सोमवार को चम्बल रिवरफ्रंट के विकास कार्य का अवलोकन करते हुए मीडिया से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया का पहला हेरिटेज रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह रिवरफ्रंट कोटा की इकोनॉमी को न सिर्फ बूस्ट करेगा बल्कि इससे रोजगार के भी बड़े आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने नगर विकास न्यास के अधिकारियों के साथ रिवरफ्रंट के ईस्ट और वेस्ट दोनों साइड का अवलोकन किया। उन्होंने विकसित किए गए वर्ल्ड हेरिटेज, राजस्थान हेरिटेज सहित विभिन्न घाटों को देखकर अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। स्वायत्त शासन मंत्री ने नयापुरा साइट पर बनाई गई खूबसूरत बावड़ी से निरीक्षण शुरू किया तथा सिंह घाट, फव्वारा चौक, साहित्य घाट, वाटर पार्क, वर्ल्ड हेरिटेज बिल्डिंग्स, बैराज गार्डन सहित रिवरफ्रंट के ईस्ट साइड में विकसित किए गए विभिन्न घाटों का जायजा लिया। कई जगहों पर रुक कर अंतिम चरण में चल रहे कार्यों को बारीकी से देखा तथा इनको गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब पर्यटक यहा आए तो उन्हें स्थापत्यकला के साथ आधुनिकता का भी अनुभव होना चाहिए।

तकनीकी का समावेश बना आकर्षक

रिवरफ्रंट के दोनों साइडों पर विकसित की गई खूबसूरत हेरिटेज लुक के साथ आधुनिक तकनीकी का समावेश करते हुए तैयार किए गए विश्व स्तरीय स्मारकों को देखकर मंत्री धारीवाल ने प्रसन्नता जाहिर की और शेष कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्व स्तरीय फव्वारा, योग करता साधक एवं दुनिया के सबसे बड़े घंटे के निर्माण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नदी में भ्रमण के समय पर्यटकों को दोनों घाटों पर आधुनिक तकनीकी का समावेश भी देखने को मिलेगा, जो अनूठा अनुभव रहेगा।

फ्रेंड्स के साथ काम करने को बेताब अनन्या

अभिनेत्री अनन्या पांडे अक्सर चर्चा में रहती हैं. वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आएंगी. इस बीच अनन्या ने एक ऐसी मल्टीस्टारर फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की है, जिसमें महिलाएं मुख्य भूमिकाओं में हों. इतना ही नहीं, अनन्या की यह भी ख्वाहिश है कि ऐसी किसी फिल्म में उन्हें जान्हवी कपूर और सारा अली खान के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिले.

जताई यह इच्छा

बॉलीवुड में अभिनेत्रियां अब मल्टी-स्टारर फिल्मों में नजर आ रही हैं. फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' में करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया जैसी एक्ट्रेस एक साथ नजर आई थीं. इसके अलावा फैंस की नजर अभी से फरहान अख्तर की 'जी ले जरा' पर टिकी हैं. रोड ट्रिप पर आधारित इस फिल्म में कैटरीना कैफ, आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी. वहीं 'वीरे दी वेडिंग' की प्रोड्यूसर रिया कपूर ने करीना, तब्बू और कृति सेनन को लेकर अपनी अगली फिल्म का ऐलान कर दिया है. इस बीच अनन्या ने भी अपनी इच्छा बताई है.

'गहराइयां' में आई थीं नजर

अनन्या पांडे 2022 में आई फिल्म 'गहराइयां' में दीपिका पादुकोण के साथ नजर आई थीं. अब अनन्या एक ऐसी मल्टीस्टारर फिल्म करना चाहती हैं, जिसमें महिलाएं लीड रोल में हों. जब उनसे पूछा गया कि वह किसके साथ स्क्रीन शेयर करना चाहेंगी? इस पर अनन्या ने तुरंत कहा, 'अगर सारा अली खान और जान्हवी कपूर के साथ मुझे कास्ट किया जाए तो यह काफी मजेदार होगा. जान्हवी और सारा के साथ काम करने को लेकर अनन्या का कहना है, 'हम सभी की एनर्जी काफी अलग है. मैं परफॉर्मर के रूप में उन्हें बेहद पसंद करती हूं और दोनों मेरी अच्छी दोस्त भी हैं. दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना जरूर पसंद करेंगे.'

सारा ट्रोलर के निशाने पर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान एक बार फिर से ट्रोलर्स के निशाने पर हैं. इस बार वह ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से रिजेक्ट किए जाने पर ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं. हाल ही में सारा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं कि उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से रिजेक्ट कर दिया गया था. अब इस क्लिप पर सारा को 'नेपोटिज्म का प्रोडक्ट' बताते हुए ट्रोलर्स कह रहे हैं कि वहां नेपोटिज्म नहीं चलता. एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'वो ऑक्सफोर्ड से कैसे रिजेक्ट हो सकती हैं, उसके दादा वहीं से हैं. मैं हैरान हूं.'

ऑक्सफोर्ड से 'रिजेक्शन' की बला ली मोल

सारा ने ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल में 2019 में हुए एक प्रोग्राम में अपनी लाइफ का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया था, 'मुझे ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से रिजेक्ट कर दिया गया, जो इंग्लैंड में है, जो मेरा सपना था और मैं इसमें प्रवेश नहीं कर पाई और मुझे लगा कि दुनिया इसे खत्म करने जा रही है. उस दिन मुझे नहीं पता था कि मुझे क्या करना चाहिए....मैंने पागलों की तरह रोते हुए अपनी मां को फोन किया और कहा- मां, मुझे ऑक्सफोर्ड से रिजेक्ट कर दिया गया. मुझे नहीं पता कि मुझे क्या करना है और फिर कॉमन एप्स आ गए और मैं कोलंबिया में आ गई. इसके बाद 3 साल मैंने न्यूयॉर्क में बिताए. वे 3 साल मेरी जिंदगी के बेहतरीन साल थे. ऑक्सफोर्ड नहीं गई लेकिन कोलंबिया में ज्यादा खुश थी.' सारा, कोलंबिया विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएशन करने के बाद भारत लौटी थीं.

दोबारा दहाड़ने को तैयार विद्युत जामवाल

बॉलीवुड के एक्शन हीरो विद्युत जामवाल की अगली फिल्म 'आईबी71' 12 मई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है. विद्युत ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर के साथ रिलीजिंग की घोषणा की. पोस्टर में, विद्युत एक अधिकारी के रूप में दिखाई दे रहे हैं और इसमें एक हवाईजहाज का स्केच लाल रंग से बनाया गया है. पोस्टर में अनुपम खेर भी नजर आ रहे हैं. हवाई जहाज पर लिखा है, 'एक टॉप सीक्रेट मिशन, जिससे हमने 1971 का युद्ध जीता.' विद्युत ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, 'टॉप सीक्रेट मिशन का खुलासा होने वाला है. भारत के सबसे गोपनीय मिशन के तहत हमने 1971 का युद्ध जीता.' 'आईबी71' भारतीय खुफिया एजेंसियों और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के बीच दो मोर्चे पर युद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है. फिल्म का निर्देशन संकल्प रेड्डी ने किया है.

मुश्किल में रणवीर !

बैक-टू-बैक फ्लॉप होने से YRF ने किया किनारा

बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, गली बॉय और गोलियों की रासलीलाः रामलीला जैसी जबरदस्त और सुपरहिट फिल्में देने वाले बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की पिछली कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई. कोरोना महामारी के बाद रणवीर की जितनी फिल्में रिलीज हुईं, बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई.

कोरोना के बाद सबसे पहले 2021 में इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव की बायोपिक '83' रिलीज हुई. फिर 2022 में 'जयेशभाई जोरदार' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी. इसने बॉक्स ऑफिस पर 16 करोड़ रुपये से कम का कलेक्शन किया. 'सर्कस' ने भी बॉक्स ऑफिस पर 35.65 करोड़ रुपये का ही बिजनेस किया. मतलब दर्शकों से कोई खास तारीफें नहीं मिलीं. रणवीर की 3 बैक-टू-बैक फ्लॉप फिल्मों के बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 3 लगातार फ्लॉप के बाद यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने रणवीर सिंह के साथ अब कुछ समय तक कोई भी फिल्म नहीं करने का फैसला किया है.

गलती की गुंजाइश नहीं

एक रिपोर्ट के अनुसार वाईआरएफ में आदित्य चोपड़ा और उनकी कोर टीम ने स्पाई यूनिवर्स में भारी निवेश किया है. ऐसे में वह किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते. खासकर, शाहरुख खान की 'पठान' की सक्सेस के बाद अब वाईआरएफ किसी तरह की गलती नहीं करना चाहता. वाईआरएफ से जुड़े सूत्र के मुताबिक बहुत कुछ दांव पर है क्योंकि हर फिल्म का भारी बजट होने वाला है और इसलिए इसमें गलती की गुंजाइश नहीं हो सकती. इसलिए रणवीर सिंह के साथ अभी कोई फिल्में साइन नहीं करने का फैसला किया गया.

6 में से 1 रही सुपरहिट

रणवीर ने वाईआरएफ के साथ जो 6 फिल्में की हैं, उनमें से केवल एक ही फिल्म ऐसी है, जो हिट रही और वो गुंडे (2014) है. इसके अलावा बैंड बाजा बारात, लेडीज वर्सेज रिकी बहल (2011) और बेफिक्रे (2016) अच्छी कमाई करने वाली फिल्में रहीं. इस बीच किल दिल (2014) और जयेशभाई जोरदार फ्लॉप हो गईं.

चाचा चौधरी करण जौहर !

निर्देशक पर कंगना ने कसा तंज

मशहूर फिल्मकार करण जौहर एक बार फिर अभिनेत्री कंगना रनौत के निशाने पर आ गए हैं. हाल ही में अभिनेत्री ने कहा था कि करण ने प्रियंका चोपड़ा को बहुत तंग किया है. साथ ही कंगना ने अनुष्का शर्मा के करिअर का खात्मा करने वाले उनके कमेंट को लेकर उन्हें जमकर फटकार लगाई थी.

अब कंगना ने करण का एक पुराना वीडियो साझा किया जिसमें वह कहते हैं कि वो कंगना के साथ काम नहीं करना चाहते हैं. कंगना ने इस वीडियो को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'माफिया जौहर को कंगना का मुंहतोड़ जवाब.' वीडियो में करण ने कहा, 'जब वो हमें मूवी माफिया कहती है तो इसका मतलब है कि उसे लगता है कि हम फिल्में बना रहे हैं लेकिन उसे काम नहीं दे रहे हैं. लेकिन ये हम अपनी चॉइस से करते हैं. मैं ऐसा इसलिए करता हूं क्योंकि मुझे उनके साथ काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है.' कंगना ने अब उस पुराने वीडियो के जवाब में कहा, 'इन तुच्छ बातों के लिए धन्यवाद चाचा चौधरी. जब मैं खुद को एक सफल फिल्म निर्देशक और निर्माता के रूप में स्थापित करूंगी, तब मैं इन्हें आपके चेहरे पर रगड़ दूंगी.' बात करें फिल्मों की तो कंगना जल्द ही फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी, जिसमें वो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रहीं हैं.

TV मैजिक

मेरे डेली लुक से प्रेरित है सुरीली का किरदार

टीवी शो 'हम रहें ना रहें हम' में सुरीली अहलूवालिया का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस टीना दत्ता का कहना है कि इस 'गर्ल नेक्स्ट डोर' किरदार को निभाने के लिए सुरीली का लुक उनके अपने रोजमर्रा स्टाइल स्टेटमेंट से प्रेरित है. कूल कैजुअल आउटफिट में टीना दत्ता ओवरसाइज शर्ट, टी-शर्ट और बैगी पैंट के साथ फंकी ज्वेलरी पहने नजर आ रही हैं. कलर बालों में हाफ बन उनके लुक को पूरा करता है. टीना कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जो फैशन आपको कम्फर्टेबल महसूस कराता है, वही अच्छा है. आप अक्सर मुझे ओवरसाइज टी-शर्ट्स और शर्ट्स के साथ बैगी पैंट पहने देखेंगे. किस्मत से, शो के मेकर्स को मेरा यह लुक सुरीली के लिए भी पसंद आ गया. मुझे खुशी है कि ऐसा किरदार निभा रही हूं, जो मेरे डेली स्टाइल को दर्शाता है.'

मेरी बात का निकाला गया गलत मतलब

सलमान के नियम वाले बयान से पलटीं पलक

बीते दिनों एक इंटरव्यू में पलक तिवारी ने फिल्मों के सेट पर सलमान खान के नियम का खुलासा किया था. अभिनेत्री ने बताया था कि, 'जब मैं अंतिम में सलमान सर के साथ काम कर रही थी, तो उनका एक नियम होता था. सलमान सर का एक नियम था कि कोई भी लड़की मेरे सेट पर अपनी नेकलाइन ढंक कर रहेंगी, जैसे अच्छे घरों की लड़कियां रहती हैं. मुझे नहीं लगता यह बात किसी को भी पता है, लेकिन यह सच है.'

पलक के इस बयान ने सोशल मीडिया से लेकर इंटरनेट तक पर तहलका मचा दिया था. हालांकि, लेटेस्ट इंटरव्यू में पलक ने अपने बयान पर सफाई पेश की है. पलक ने कहा, 'मेरी बताई गई बात को गलत समझा गया है. मैं बस इतना कहना चाहती थी कि मैंने अपने लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए हैं कि कैसे अपने से बड़े लोगों के सामने मुझे कपड़े पहनने चाहिए. सलमान सर उनमें से एक हैं.' अब पलक के बयान में यह बदलाव ट्रोलिंग के कारण आया है या सलमान खान की वजह से, यह तो बस अभिनेत्री ही जान सकती हैं. लेकिन, हां अब पलक ने लोगों के सामने अपने बयान का दूसरा पक्ष पेश किया है.

आमिर को एक और झटका

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने 'लाल सिंह चड्ढा' के फ्लॉप हो जाने के बाद एक्टिंग से ब्रेक लेने की भी बात की थी लेकिन बीच में यह खबर आई कि वह शाहरुख खान की 'पठान' स्टाइल में एक्शन करने के ख्वाहिशमंद हैं. इस ख्वाहिश को पूरा करने के लिए वह 'धूम' सीरीज को आगे बढ़ाने के मकसद से 'धूम 4' के लिए आदित्य चोपड़ा से भी मिलने गए थे.

'धूम 4' का अरमान टूटा

'धूम 3' में आमिर दमदार एक्शन करते नजर आए थे और वह चाहते थे कि 'धूम 4' में भी एक्शन करें लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उन्हें एक जबरदस्त झटका लगा है. कहा जा रहा है कि आदित्य ने आमिर के साथ 'धूम 4' में काम करने से इनकार कर दिया है और वो 'धूम 4' के लिए नए दौर के सुपरस्टार को लाना चाहते हैं. आदित्य चाहते हैं कि उनकी इस फिल्म में रणबीर कपूर या रणवीर सिंह काम करें.

'खतरों के खिलाड़ी 13' में शिव की एंट्री

'बिग बॉस 16' फेम शिव ठाकरे जल्द ही स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 13वें सीजन में नजर आएंगे. इस शो के लिये उनकी पुष्टि कर दी गई है. बताया जा रहा है कि शो इस बार एक नई थीम और नई चुनौतियों के साथ पहले से कहीं अधिक बड़ा, दमदार और अधिक साहसिक होगा. बिग बॉस में दर्शकों का दिल जीतने के बाद शिव अब 'खतरों के खिलाड़ी 13' अपना दमखम दिखाते नजर आएंगे. इस शो पर अपनी एंट्री को लेकर बात करते हुए शिव कहते हैं, 'खतरों के खिलाड़ी' का हिस्सा बनना अपने आप में अनूठा रोमांच है. यह सिर्फ अपने डर का सामना करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपनी आंतरिक क्षमता और दृढ़ता को खोजने के बारे में भी है. इस शो से जुड़ना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है. मैंने अपने जीवन में कई डर पर काबू पाया है, और मैं एक्शन गुरु रोहित शेट्टी के मार्गदर्शन में इस शानदार शो में अल्टीमेट खतरों का सामना करने को लेकर रोमांचित हूं बिग बॉस के बाद से, मैं हमेशा इस शो में आना चाहता था और मुझे लगता है कि मेरे गणपति बप्पा ने फिर से मेरी इच्छा पूरी की. यह जीवन में दोबारा कभी न मिलने वाला अवसर है और मैं शो में अपनी मानसिक और शारीरिक क्षमता जांचने के लिए तैयार हूं.' 'खतरों के खिलाड़ी 13' का प्रसारण जल्द ही कलर्स पर होगा.

कम्युनिकेशन स्किल को बनाएं सफलता की कुंजी

करिअर जोन

कम्युनिकेशन स्कील नौकरी करनेवाले प्रोफेशनल्स एवं पढ़ाई करनेवाले छात्रों दोनों के लिए आवश्यक मौलिक कौशलों की सूची में सबसे ऊपर है. हम जब दुनिया के महान नेताओं और व्यक्तित्व पर गौर करते हैं, तो पाते हैं कि उनमें असरदार तरीके से कम्युनिकेट यानी लोगों से संवाद करने की क्षमता रही है, जो संचार कौशल के महत्व को रेखांकित करती है. सोशल मीडिया और टेक्सटिंग के उदय के साथ संचार अधिक आकस्मिक होता जा रहा है. इंटरव्यू के दौरान या जांच में किसी टीम को लीड करने के लिए बेहतर कम्युनिकेशन की जरूरत होती है. आप अगर अपने कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर करना चाहते हैं, तो ये तरीके आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं.

संचार कौशल की बेसिक बातें समझें

क्या आप जानते हैं कि संचार वास्तव में होता क्या है? संचार एक प्रेषक और एक रिसीवर के बीच विभिन्न तरीकों (लिखित शब्द, अशाब्दिक संकेत, बोले गए शब्द) के माध्यम से संकेतों/संदेशों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है. यह एक तंत्र है, जिसका उपयोग हम संबंधों को स्थापित करने और संशोधित करने के लिए करते हैं. बोलने से पहले सुनने की क्षमता और धैर्य जरूरी है. एक समय में एक ही विषय पर बात करना इसके मूल नियमों में शामिल है.

अपनी राय रखने का साहस है जरूरी

सफलता की राह में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास जरूरी चीज है. आत्मविश्वास न हो, तो इंसान अपना एक कदम आगे नहीं बढ़ा सकता. बात करते समय आश्वस्त रहें कि आप बातचीत में सार्थक योगदान दे सकते हैं. अपनी राय और भावनाओं से अवगत होने के लिए प्रत्येक दिन समय निकालें, ताकि आप उन्हें पर्याप्त रूप से दूसरों तक पहुंचा सकें. बहुत से लोग बोलने में हिचकिचाते हैं, क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि उनका इनपुट सार्थक होगा. ऐसे लोगों को डरने की जरूरत नहीं. हो सकता है कि आपकी बात टीम के सभी लोगों के लिए सार्थक न हो, लेकिन कुछ लोगों के लिए वह काम की साबित हो सकती है. इसलिए साहस व आत्मविश्वास के साथ अपनी बात कहें.

करें धाराप्रवाह बोलने का अभ्यास

उन्नत संचार कौशल विकसित करने की शुरुआत बातचीत करने से होती है. सामाजिक से लेकर पेशेवर जीवन तक हर दिन संचार कौशल का अभ्यास किया जा सकता है. याद रखें कि किसी भी कौशल को निखारने में समय लगता है, लेकिन हर बार जब आप अपने संचार कौशल का उपयोग करते हैं, तो खुद को अवसरों और भविष्य की साझेदारियों के लिए तैयार करते हैं. बोलने से पहले आप जो कहने वाले हैं, उस पर एक बार विचार कर लें. आप क्या कह रहे हैं और कैसे कह रहे हैं, इसकी महत्ता को हमेशा समझें.

आई कॉन्टेक्ट बनाकर बात करें

चाहे आप बोल रहे हों या सुन रहे हों, जिस व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, उसकी आंखों में देखकर बातचीत को और अधिक सफल बना सकते हैं. आंख में देखकर बात करने की आदत सामने वाले की बातचीत में आपकी रुचि को व्यक्त करती है और सामनेवाले को आपमें रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित भी करती है. अपनी बात को सहजता से कहें और अपने बॉडी लैंग्वेज को भी सहज रखें. जब आप किसी अन्य व्यक्ति से बात कर रहे हों या किसी मीटिंग में हों, तो उसके लिए नोट्स तैयार करें और तथ्यों के साथ अपनी बात को कहें.

86 इंच मिनी LED TV

घर को बना देगा सिनेमा हॉल

शाओमी ने अपनी मास्टर सीरीज स्मार्ट टीवी के तहत नई मास्टर सीरीज 86 इंच मिनी एलईडी टीवी को पेश कर दिया है. इस टीवी को बेहतर हार्डवेयर बेनिफिट्स जैसे कलर गेमोट, हाई कंट्रास्ट और रिफाइंड डायनेमिक पार्टिशनिंग के साथ पेश किया गया है. टीवी में 86 इंच की स्क्रीन मिलती है, जो मिनी एलईडी टेक्नोलॉजी से लैस है. कंपनी का दावा है कि सामान्य एलईडी बैकलाइटिंग के मुकाबले इसमें बेहतर स्क्रीन क्वालिटी मिलती है. शाओमी मास्टर सीरीज 86 इंच मिनी एलईडी टीवी, शाओमी की हाई-एंड "मास्टर" टेलीविजन सीरीज का नया डिवाइस है. हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों में मामले में टीवी के साथ कई बदलाव किए गए हैं. एक प्रीमियम टीवी प्रोडक्ट के रूप में इसके साथ साउंड क्वालिटी से लेकर रिफ्रेश रेट और रिस्पांस टाइम तक की परफॉर्मेंस महत्वपूर्ण है. टीवी में कंपनी की इनहाउस "मल्टी-स्क्रीन कलर कंसिस्टेंसी" तकनीक भी है, जो टेलीविजन, स्मार्टफोन और टैबलेट के बीच लगातार कलर डिस्प्ले सुनिश्चित करती है. यह मूल रूप से स्मार्टफोन या टैबलेट से स्क्रीन मिररिंग करते समय कलर इन-कंसिस्टेंसी को कम करता है. शाओमी ने इस टीवी के लिए एक नया सेल्फ डेवलप्ड इंजन भी जारी किया है, जो टीवी के साथ पूरी तरह से फोटो की क्वालिटी एल्गोरिदम को रिकंस्ट्रक्ट करता है.

Gadgets जोन

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	06	04	02	08	1.043
लखनऊ	06	04	02	08	0.709
चेन्नई	05	03	02	06	0.265
गुजरात	05	03	02	06	0.192
पंजाब	05	03	02	06	-0.109
मुंबई	05	03	02	06	-0.164
कोलकाता	05	02	03	04	0.320
बेंगलुरु	05	02	03	04	-0.318
हैदराबाद	05	02	03	04	-0.798
दिल्ली	05	00	05	00	-1.488

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
प्लेसिस	बेंगलुरु	05	259
बटलर	राजस्थान	06	244
वेंकटेश	कोलकाता	05	234
शिखर धवन	पंजाब	04	233
शुभमन	गुजरात	05	228

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
मार्क वुड	लखनऊ	04	11
राशिद खान	गुजरात	05	11
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	06	11
मो. शमी	गुजरात	05	10
देशपांडे	चेन्नई	05	10

आज के मुकाबले

पंजाब बनाम बेंगलुरु — दोप. 3:30 बजे

दिल्ली बनाम कोलकाता — शाम 7:30 बजे

हार के बावजूद टॉप पर राजस्थान

आईपीएल: लखनऊ सुपर जायंट्स ने दस रन से हराया, आवेश खान ने झटके तीन विकेट

जयपुर। मैन ऑफ द मैच मार्कस स्टोइनिस (21 रन और दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और आवेश खान (25 रन पर तीन विकेट) के कातिलाना प्रहार की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने बुधवार को राजस्थान रायल्स को उसके घर पर दस रन से हरा दिया। सवाई मानसिंह स्टेडियम पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 154 रन बनाए जिसके जवाब में राजस्थान रायल्स छह विकेट पर 144 रन ही बना सकी। इस हार के बावजूद रन औसत पर बेहतर होने के कारण राजस्थान आठ अंक के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर काबिज है जबकि लखनऊ इतने ही अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की तरफ से यशस्वी जायसवाल (44) और जोस बटलर (40) ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़ कर राजस्थान के लिये अच्छी शुरूआत की थी। लेकिन इसके बाद लखनऊ की टीम ने वापसी करते हुए 17 रनों के अंदर गिरा दिए। यशस्वी जायसवाल 44 रन, संजू सैमसन दो रन, बटलर 40 रन और हेटमायर दो रन बनाकर आउट हो गए। राजस्थान के 104 के स्कोर पर चार विकेट गिरन के बाद देवदत्त पड्डिकल और रियान पराग ने टीम को संभालते हुए 5वें विकेट के लिए 26 गेंदों में 37 रनों की साझेदारी देखने को मिली। आखिरी 2 ओवरों में राजस्थान की टीम को जीत हासिल करने के लिए 29 रनों की जरूरत थी। इसके बाद पड्डिकल और रियान पराग ने इस ओवर में 10 रन बटोरते हुए 6 गेंदों में जीत के लिए 19 रन की जरूरत थी।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
केएल राहुल कै. बटलर बो. होल्डर	39	32	4/1
काइल मेयर्स बो. अश्विन	51	42	4/3
आयुष बदोनी बो. बोल्ट	01	04	0/0
हुडडा कै. हेटमायर बो. अश्विन	02	04	0/0
स्टोइनिस कै. संजू बो. संदीप	21	16	2/0
निकोलस पूरन रन आउट	29	20	2/1
क्रुणाल पंड्या नाबाद	04	02	1/0
चरक रन आउट	01	01	0/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 20 ओवर में सात विकेट पर 154 रन **विकेट पतन:** 1-82, 2-85, 3-99, 4-104, 5-149, 6-153,7-154 **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-1-16-1, संदीप शर्मा 4-0-32-1, रविचंद्रन अश्विन 4-0-23-2, युजवेंद्र चहल 4-0-41-0, जेसन होल्डर 4-0-38-1,

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. आवेश बो. स्टोइनिस	44	35	4/2
बटलर कै. रवि बो. स्टोइनिस	40	41	4/1
संजू सैमसन रन आउट	02	04	0/0
पडिक्कल कै. पूरन बो. आवेश	26	21	4/0
हेटमायर कै. राहुल बो. आवेश	02	05	0/0
रियान पराग नाबाद	15	12	1/1
ध्रुव जुरेल कै. हुड्डा बो. आवेश	00	01	0/0
रवि अश्विन नाबाद	03	02	0/0

अतिरिक्त: 12, **कुल:** 20 ओवर में छह विकेट पर 144 रन **विकेट पतन:** 1-87, 2-93, 3-97, 4-104, 5-141, 6-141 **गेंदबाजी:** नवीन उल हक 4-0-19-0, युद्धवीर सिंह चरक 4-0-27-0, आवेश खान 4-0-24-3, मार्कस स्टोइनिस 4-0-28-2, रवि बिश्नोई, 4-0-25-0, अमित मिश्रा 2-0-15-0,

आवेश ने अंतिम ओवर में झटके दो विकेट

राजस्थान की टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 19 रनों की दरकार थी, जिसमें लखनऊ की तरफ से आवेश खान ने अपनी पहली गेंद पर चौका दे दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर आवेश ने सिर्फ एक रन दिया। तीसरी गेंद पर देवदत्त आउट हो गए। चौथी गेंद पर ध्रुव जुरेल भी आउट हो गए। अंतिम 2 गेंदों पर राजस्थान की टीम सिर्फ 3 रन ही बनाने में कामयाब हो सकी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा.। लखनऊ के लिए आवेश खान ने तीन जबकि मार्कस स्टोइनिस ने दो विकेट झटके

आईपीएल में खेलने वाले अफगानिस्तान के छठे क्रिकेटर बने नवीन उल हक

तेज गेंदबाज नवीन उल हक आईपीएल में खेलने वाले अफगानिस्तान के छठे क्रिकेटर बन गए है। नवीन ने राजस्थान के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल में डेब्यू किया है। नवीन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक कुल 27 मैच में 34 विकेट झटके हैं। नवीन से पहले अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, रहमनुल्लाह गुरबाज, नूर अहमद, आईपीएल में डेब्यू कर चुके हैं।

काइल मेयर्स (51) और केएल राहुल (39) ने की लखनऊ के लिए 82 रन की साझेदारी

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे लखनऊ की शुरूआत अच्छी रही। काइल मेयर्स (51) और केएल राहुल (39) की ठोस शुरूआत करते हुए 82 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। इसके बाद हालांकि टीम को दीपक हुड्डा (2) और आयुष बदोनी (एक) के रूप में दो झटके लगे। इसके बाद बाद के ओवरों में निकोलस पूरन (29) और मार्कस स्टोइनिस (21) के बीच 45 रनों की तेज भागीदारी ने टीम को सात विकेट पर 154 रनो का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में मदद की। आईपीएल के महंगे खिलाड़ियों में एक हुड्डा एक बार फिर असफल साबित हुये। राजस्थान की ओर से रविचंद्रन अश्विन को दो विकेट मिले जबकि जेसन होल्डर, ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा ने एक एक विकेट हासिल किया। पारी के आखिरी ओवर में रन गति को बढाने के क्रम में जायंट्स ने तीन खिलाड़ी खोये। पहले स्टोईनिस को संदीप शर्मा ने विकेट के पीछे कैच करवा कर पवेलियन पहुंचाया जिसके बाद रन चुराने के चक्कर में पूरन रन आउट हुए। आखिरी गेंद पर युद्धवीर सिंह भी रन आउट करार दिए गए। मेयर्स ने अपनी अर्धशतकीय पारी में चार चौके और तीन छक्के लगा कर दर्शकों की वाहवाही बटोरी जबकि दूसरे छोर पर राहुल में अपनी 32 गेंदों की पारी में चार चौके और एक छक्का जमाया।

दिल्ली ने ईश्वरन और गर्ग को ट्रायल्स के लिए बुलाया

नई दिल्ली। भारत के घरेलू बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अभिमन्यु ईश्वरन और प्रियम गर्ग को ट्रायल्स के लिए बुलाया। इन दोनों खिलाड़ियों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं और वे आईपीएल नीलामी में नहीं बिके थे। दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल भारतीय बल्लेबाज अभी तक नहीं चल पाए हैं।

एसएसबी अकादमी में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल । चंदूखेड़ी भोपाल बल मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार सशस्त्र सीमा बल अकादमी एसएसबी भोपाल में द्वितीय सीमांत क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में सशस्त्र सीमा बल के छह सीमांत मुख्यालय, बल मुख्यालय तथा प्रशिक्षण निदेशालय मिलाकर कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन मैच तेजपुर व सिलीगुड़ी के मध्य खेला गया, जिसमें तेजपुर सीमांत की टीम विजयी रही। इस अवसर पर अजीत सिंह राठौड, कमांडेंट अमित सिंह, कमांडेंट व अन्य अधिकारीगण तथा अकादमी के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीष कुमार, कमांडेंट 16वीं वाहिनी जमुई द्वारा उक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के बाद मेजबान टीम के कैप्टन द्वारा सभी टीमों को शपथ दिलाई गई। वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल भारत-नेपाल एवं भारत-भूटान खुली सीमा की रक्षा कर रही हैं एवं साथ ही साथ सीमा क्षेत्रों में होने वाले अपराधों जैसे तस्करी, मानव तस्करी और अन्य अपराधों को रोकने का कार्य कर रही है।

भोपाल ने तमन्ना की शतकीय पारी से नर्मदापुरम को हराया

भोपाल । मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत जेएस आनंद सीनियर वोमेंस सीमित ओवर का इंदौर के होल्कर स्टेडियम में भोपाल संभाग व नर्मदापुरम संभाग के बीच मैच खेला गया। भोपाल संभाग के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 279 रनों का स्कोर बनाया। भोपाल संभाग से बल्लेबाजी में तमन्ना निगम ने शानदार 96 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 103 रनों की शतकीय पारी खेली। राहिला फिर्दोष ने आठ चौकों की मदद से 73 रन बनाए। प्रीति यादव ने सात चौकों के साथ 42 रन बनाए। नर्मदा पुरम संभाग से गेंदबाजी करते हुए अनामिका रघुवंशी ने तीन विकेट, पल्लवी यादव ने 2 विकेट लिया। जवाब में नर्मदापुरम संभाग 50 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 122 रन ही बना सकी। नर्मदा पुरम संभाग से बल्लेबाजी में अनन्या दुबे ने 33 रन, कल्याणी यादव ने 31 रन एवं अनामिका रघुवंशी के 22 रनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज रनों का योगदान अपनी टीम को नहीं दे सका। भोपाल संभाग से गेंदबाजी करते हुए पलक वशिष्ठ ने चार विकेट, प्रीति यादव ने 2 विकेट लिया। इस तरह भोपाल संभाग में नर्मदा पुरम संभाग को 157 रनों से हराया। मैन ऑफद मैच का पुरस्कार तमन्ना निगम को दिया गया।

बिल्डर, खरीदार के बीच बनेगी समिति

सरकार के इस कदम से बिल्डर व ग्राहकों के विवाद का जल्द होगा निपटारा

नई दिल्ली। बिल्डर और मकान खरीदार के बीच अक्सर विवाद की स्थिति बनती है। यह विवाद फ्लैट व मकान को लेकर होता है। ऐसे में देश में घर खरीदने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए और ग्राहकों को गड़बड़ियों से बचाने के लिए सरकार ने बिल्डर और ग्राहकों के बीच समझौता मॉडल तैयार करने के लिए एक समिति के गठन करने की तैयारी की है। इस बात की जानकारी देते हुए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार ने कहा कि इस समिति में जज, राष्ट्रीय और राज्य उपभोक्ता आयोग के लोग, वकील और अलग-अलग उपभोक्ता निकाय के व्यक्ति भी शामिल होंगे। इसके साथ ही इसमें उपभोक्ता मंत्रालय के सदस्यों को भी इस समिति में शामिल किया जाएगा। रोहित कुमार ने बताया कि इस समिति का गठन के कार्य को अगले तीन महीने में पूरा कर दिया जाएगा। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने उपभोक्ता मंत्रालय के साथ मिलकर एक बैठक की थी। इस बैठक में रियल एस्टेट में ग्राहकों की शिकायत के निवारण पर चर्चा की गई थी। इस बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि बिल्डरों और ग्राहकों के बीच बहुत से मामलों पर सुलह कराई जा सकती है, लेकिन इसके लिए एक समझौते के मॉडल को तैयार करना होगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव ने आगे इस मॉडल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ग्राहकों और बिल्डरों के लिए बनाए गए इस समझौता मॉडल को पूरे देश में लागू किया जाएगा। बिल्डर और खरीददार के बीच एक समझौता का दस्तावेज बनेगा। इस दस्तावेज पर सबसे पहले अलग-अलग राज्यों के परमिशन ली जाएगी। इसके बाद इसे सुप्रीम कोर्ट में पेश किया जाएगा।

छोटे घर खरीदने की रफ्तार हुई धीमी

नई दिल्ली। एनारॉक ने सर्वेक्षण में कहा कि लागत वृद्धि के बावजूद बड़े घरों की मांग कम नहीं हुई है। वहीं ब्याज दर बढ़ने से छोटे घर खरीदरों की रफ्तार में मंदी आई है। सर्वे में शामिल 42 प्रतिशत प्रतिभागियों ने 3बीएचके, 40 प्रतिशत ने 2बीएचके, 12 प्रतिशत ने 1बीएचके और छह प्रतिशत 3बीएचके से अधिक की जगह वाले घर की तलाश में हैं। इसमें यह भी पाया गया कि घर खरीदने के इच्छुक 58 प्रतिशत लोग उन संपत्तियों में रुचि रखते हैं जिनकी कीमतें 45 लाख रुपए से 1.5 करोड़ रुपए के बीच है। वहीं 36 प्रतिशत प्रतिभागियों ने एक साल के भीतर तैयार होने वाले घरों को प्राथमिकता दी।

मनोज गौड़ क्रेडाई के अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया क्रेडाई ने क्रेडाई एनसीआर के अध्यक्ष एवं गौर ग्रुप के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ को अपना अध्यक्ष नियुक्त किया है। क्रेडाई ने कहा कि इसके साथ ही एसजी एस्टेट्स के निदेशक गौरव गुप्ता को क्रेडाई का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से एनसीआर में रियल एस्टेट डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो देश में सबसे तेजी से बढ़ते रियल्टी हब में से एक है। श्री गौड़ ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि इस नई भूमिका को लेने से पहले उन्होंने क्रेडाई, उत्तर क्षेत्र के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। वह क्रेडाई-एनसीआर के अध्यक्ष के रूप में काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि क्रेडाई का अध्यक्ष चुना जाना दिल्ली एनसीआर रियल एस्टेट जगत के लिए बड़े सम्मान की बात है। क्रेडाई सुशासन, आवास नीतियों का कायाकल्प करने और शून्य कार्बन का अनुकूलन करने के लिए काम करना जारी रखेगा।

लगातार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार

सेंसेक्स 159 अंक कमजोर

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, पावर और यूटिलिटीज समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी गिर कर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 159.21 अंक का गोता लगाकर 59567.80 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई का निफ्टी 41.40 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.18 प्रतिशत टूटकर 24,941.78 अंक पर रहा जबकि स्मॉलकैप 0.12 प्रतिशत की तेजी लेकर 28,281.10 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3634 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1811 में लिवाली जबकि 1701 में बिकवाली हुई वहीं 122 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 31 कंपनियां लाल जबकि 18 हरे निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। बीएसई के 14 समूहों में गिरावट रही। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.40, जर्मनी का डैक्स 0.26, जापान का निक्केई 0.18, हांगकांग का हैंगसेंग 1.37 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.68 प्रतिशत लुढ़क गया।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता

एक हजार विद्यार्थियों को मिलेगी निशुल्क कोचिंग

इंदौर। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने 35वें स्थापना दिवस पर आशा स्कॉलरशिप स्कीम के तहत एक हजार विद्यार्थियों को निशुल्क कोचिंग देने की घोषणा की। इसके साथ ही स्थापना दिवस पर एलन के विद्यार्थियों एवं फैकेल्टी द्वारा इंदौर शहर के 29 प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक का संचालन किया गया। विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में कविताओं एवं चित्रकारी के माध्यम से एलन के प्रति अपने उद्गार प्रकट किए तथा सायंकाल में सुंदरकांड का आयोजन भी किया गया। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट का संचालन निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी व डॉ. बृजेश माहेश्वरी चारों भाई मिलकर कर रहे हैं। नेक्स्ट जनरेशन अविरल माहेश्वरी, अमन माहेश्वरी, आनन्द माहेश्वरी, केशव माहेश्वरी व आराध्य माहेश्वरी भी साथ मिलकर कई दायित्व निभा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि 18 अप्रैल 1988 को स्थापित एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट 35वां स्थापना दिवस मना रहा है। सामाजिक सरोकार और सर्वोत्कर्ष एलन के मूल में है और विद्यार्थियों के हित में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए वचनबद्ध है। संस्कार से सफलता के इसी सिद्धान्त पर आगे बढ़ते हुए इस वर्ष एक हजार विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा देने का संकल्प लिया है। माहेश्वरी ने बताया कि एलन सात देशों के साथ भारत के 22 राज्यों और चार केन्द्र शासित प्रदेशों के 53 शहरों में स्टडी सेंटर्स के माध्यम से शिक्षा मुहैया करवा रहा है। सभी राज्यों की राज्य सरकारों के साथ मिलकर सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत अभावग्रस्त परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एलन के विभिन्न सेंटर्स पर आशा योजना के तहत निशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इससे पूर्व भी कई राज्य सरकारों के साथ मिलकर विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा दी गई है। राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, आसाम सहित कई राज्यों में प्रकल्प संचालित हैं। कोविड प्रभावित के करीब 300 विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। शौर्य छात्रवृति के तहत शहीदों के बच्चों को 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप दी जा रही है। सेना, अर्द्धसेना के सदस्यों के बच्चों को भी शुल्क में रियायत दी जाती है।

फोटोनिक्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हैदराबाद। फोटोनिक्स और मेटामैटेरियल्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा के लिए भारत और विश्व के बाकी हिस्सों से विशेषज्ञों को एक साथ लाने के लिए महिन्द्रा युनिवर्सिटी 20 अप्रैल से तीन दिवसीय भारत-फ्रांस सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन फ्रंटियर्स इन फोटोनिक्स एंड मेटामैटेरियल्स विषय पर आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन महिन्द्रा युनिवर्सिटी-इकोल सेंट्रल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग इंडिया और इकोल सेंट्रल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। आईएफसीएफपीएम 2023 अनुसंधानकर्ताओं, अकादमिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, युवा वैज्ञानिकों और उद्योग के पेशेवरों के लिए फोटोनिक्स एवं मेटामैटेरियल्स के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा एवं विचारों के आदान प्रदान के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म है।

पश्चिम रेलवे ने ट्रेसपासिंग को नियंत्रित करने उठाए बड़े कदम

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने मुंबई उपनगरीय खंड पर ट्रेसपासिंग को रोकने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। पश्चिम रेलवे ने बहुआयामी पहल करते हुए इस समस्या से निपटने के लिए मिशन मोड पर कार्य किया है और मुंबई उपनगरीय खंड को प्रभावित करने वाली इस बड़ी समस्या को दूर करने के लिए इसके प्रयास निरंतर जारी हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार, पश्चिम रेलवे ने श्जीरो डेथ मिशन की पहल की है। इस पहल का लक्ष्य ट्रेसपासिंग की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटना है और मुख्य रूप से मुंबई के उपनगरीय खंड पर इस कारण होने वाली जनहानि को कम करना है। इस दिशा में पश्चिम रेलवे द्वारा कई पहल की गई हैं। स्टेशनों पर यात्रियों के आवाजाही को आसान बनाने और ट्रेसपासिंग को रोकने के लिए वर्ष 2022-23 के दौरान मुंबई उपनगरीय खंड पर 13 फुट ओवर ब्रिज शुरू किए गए, जिससे फुट ओवर ब्रिजों की कुल संख्या 146 हो गई है। इसी प्रकार इस अवधि के दौरान 18 एस्केलेटर और 15 लिफ्ट भी शुरू की गई हैं जिससे अब कुल 104 एस्केलेटर और 49 लिफ्ट हो गई हैं। प्लेटफॉर्म की ऊंचाई और कोच के दरवाजों के बीच के अंतर को कम करने के लिए प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाई गई है। इससे यात्री सुरक्षित रूप से ट्रेनों में चढ़ने और उतरने में सक्षम होंगे। रेल ट्रैक पार कर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने से लोगों को रोकने के लिए स्टेशन क्षेत्र में दो ट्रैकों के बीच पर्याप्त ऊंचाई की डिवाइडर फैंसिंग की गई है। इन फेंसिंग को चिह्नित स्थानों तक प्लेटफॉर्मों से आगे तक बढ़ाया गया है, जहां प्लेटफॉर्मों के समाप्त होने के बाद के क्षेत्र में लोगों को ट्रेसपासिंग करते देखा गया है। आपात चिकित्सा स्थिति से निपटने के लिए सभी उपनगरीय स्टेशनों पर चौबीसों घंटे एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। इसी तरह गोल्डन ऑवर के भीतर प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने और चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय खंड के सभी स्टेशनों पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष भी उपलब्ध हैं। ट्रेसपासिंग का एक अन्य प्रमुख कारण रेल पटरियों के किनारे अतिक्रमण हैं। अतिक्रमण हटाने के लिए नियमित रूप से अभियान चलाये जा रहा हैं। वर्ष 2022-23 की अवधि में विभिन्न स्थानों से 1400 से अधिक अतिक्रमण हटाए गए।

बांद्रा टर्मिनस एवं गांधीधाम के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस एवं गांधीधाम स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार, ग्रीष्मावकाश के दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए 1284 फेरों के साथ 28 जोड़ी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इनमें से सात जोड़ी ट्रेनें उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों के लिए हैं, जबकि चार जोड़ी ट्रेनें दिल्ली और उससे आगे के लिए हैं। सात जोड़ी ट्रेनें गुजरात, पांच जोड़ी ट्रेनें राजस्थान, एक जोड़ी ट्रेन उत्तर-पूर्व, जबकि तीन जोड़ी ट्रेनें दक्षिण भारत के लिए चलाई जा रही हैं। सूरत-उधना से यात्रियों की सुविधा के लिए चार जोड़ी ओरिजिनेटिंग स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है, जबकि गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे अहमदाबाद, गांधीधाम, वलसाड, ओखा आदि से 14 जोड़ी ओरिजिनेटिंग ट्रेनें चलाई जा रही हैं। श्री ठाकुर ने आगे बताया कि ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट की रियल टाइम बेसिस पर प्रतिदिन निगरानी की जाती है और यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के लिए समय-समय पर मौजूदा ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जाते हैं। यह ट्रेन 27 अप्रैल से 29 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, विरमगाम, धांगध्रा, सामाख्याली और भचाऊ स्टेशनों पर रुकेगी।

टीसीएस को मिला पहला स्थान

बेस्ट वर्क प्लेस में आगे रही आईटी कंपनी

नई दिल्ली । मीडिया के प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म एप्लीकेशन लिंक्डइन ने 25 कंपनियों की एक लिस्ट जारी की है। जिसमें कंपनियों के बेस्ट वर्क प्लेस के चलते उन्हें नामित किया गया है। इस लिस्ट में टाटा कन्सलटेंसी सर्विस ; टीसीएस को लिंक्डइन ने पहला स्थान दिया है। वहीं अमेजन के वर्क प्लेस को दूसरे और मॉर्गन स्टेनले को लिंक्डइन ने तीसरे स्थान पर रखा है। लिंक्डइन द्वारा जारी लिस्ट में काम करने के तौर-तरीकों पर खासा ध्यान दिया गया है।

इसमें बेस्ट वर्क प्लेस के लिए आठ पहलुओं पर जोर दिया गया है। जिनमें कंपनी की आत्मीयता, स्किल्स ग्रोथ, कंपनी स्टेबिलिटी, एक्सटर्नल अपॉरचुनिटी, लिंग विविधता, शैक्षणिक योग्यता और कंपनी के कर्मचारियों की उपस्थिति को शामिल किया गया है। इस लिस्ट में 25 में से 17 कंपनियां वे हैं जो कि स्टार्टअप बेस्ड हैं। इस लिस्ट में पहली बार ई-स्पोटर्स कंपनियों ने भी जगह बनाई है। जिनमें ऑनलाइन गेमिंग कंपनी ड्रीम 11 और गेम्स 24इंटू7 शामिल हैं। लिंक्डइन द्वारा जारी बेस्ट वर्क प्लेस के लिए टॉप 25 कंपनियों में टाटा कन्सलटेंसी सर्विस, अमेजन, मॉर्गन स्टेनले, रिलायंल इंडस्ट्रीज, मैक्वेरी समूह, डेलॉयट, एनएवी फंड एडमिनिसट्रेशन ग्रुप, शिनाईजेर इलेक्ट्रिक, वायट्रिस, रॉयल कैरिबियन ग्रुप, विटेस्को टेक्नोलॉजी, एचडीएफसी बैंक, मास्टरकार्ड, यूबी, आईसीआईसीआई बैंक, जेप्टो, एक्सपीडिया ग्रुप, ई-वाई, जेपी मॉर्गन चेज एण्ड कंपनी, ड्रीम 11, सिंक्रोनी, गोल्डमैन सैक्श, वेरिंट, गेम्स 24इंटू7, टीचमिंट शामिल हैं।

हावड़ा, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में एक बाजार में भीषण आग लगने से 100 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग उलूबेरिया थाना क्षेत्र के छंगेल के लुडलो बाजार में आधी रात के आसपास लगी थी। अधिकारियों ने बताया कि आग तेजी से फैल गई जिसमें 100 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं। चार घंटे की मशक्कत के बाद दमकल विभाग की 10 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। जांच के बाद ही आग लगने के कारण का पता चल पाएगा। घटना के कारण हुए नुकसान का आकलन लगाया जा रहा है। कारोबारियों ने बताया कि उन्होंने हाल ही में ईद के कारण बिक्री में वृद्धि की उम्मीद में दुकानों में काफी माल डाला था। आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा

पांच साल में करेंगे 250 से ज्यादा रोपवे निर्माण

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा है कि पर्वतमाला परियोजना के तहत भारत सरकार की योजना पांच वर्षों में 1,200 किमी से अधिक रोपवे लंबाई की 250 से अधिक परियोजनाओं का विकास करने की है। श्री गडकरी ने कहा कि देश में अगले पांच साल के दौरान केंद्र सरकार की 60 प्रतिशत मदद से हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत पीपीपी आधार पर यह निर्माण कार्य कराया जाएगा।

उनका यह भी कहना था कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रोपवे के पुर्जों तथा टीवी निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री गडकरी ने बुधवार को ऑस्ट्रिया के इंसब्रुक में अल्पाइन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले'इंटरअल्पाइन मेला 2023' को संबोधित करते हुए यह बात कही।

यह प्रतिष्ठित मेला दुनिया की प्रमुख कंपनियों, सेवा प्रदाता और केबल कार उद्योग निर्णयकर्ताओं को मंच प्रदान करता है। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान हाई-टेक सॉल्यूशंस, नवोन्मेषी डिजाइनों, शीर्ष गुणवत्ता तथा कार्यक्षमता प्रस्तुत करने, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल रोपवे यात्री परिवहन का मार्ग प्रशस्त करने वाली विश्व की अग्रणी विनिर्माता कंपनियों की प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया।

एनएचएआई दो साल में बनाएगा 10 हजार किलोमीटर डिजिटल राजमार्ग

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने कहा है कि वह ऑप्टिक फाइबर केबल के विकास की दिशा में काम कर रहा है और इसके तहत वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 10 हजार किलोमीटर डिजिटल राजमार्ग का निर्माण किया जाएगा। एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) ऑप्टिक फाइबर केबल बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे एकीकृत उपयोगिता गलियारों का निर्माण कर डिजिटल राजमार्ग नेटवर्क विकसित करेगा। इस क्रम में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 1367 किमी एवं हैदराबाद- बेंगलुरु गलियारे के 512 किमी हिस्से को डिजिटल राजमार्ग के तहत प्रायोगिक मार्गो के रूप में चिन्हित किया गया है। यह नेटवर्क देश के सुदूर इलाकों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में 5जी और 6जी जैसी दूरसंचार तकनीकों के परिचालन में सहायता करेगा। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे फाइबर केबल बिछाने का काम शुरू हो गया है और इसे लगभग एक साल में पूरा करने का लक्ष्य है। डिजिटल राजमार्गों के निर्माण से न केवल विकास को गति मिलेगी बल्कि यह देश के डिजिटल रूपांतरण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एक नज़र

इराक में चार आईएस आतंकी किए गए ढेर

बगदाद, (एजेंसी)। इराक के उत्तरी प्रांत किरकुक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के ठिकाने पर हवाई हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चार आतंकवादी मारे गए। इराकी सेना ने जानकारी दी। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड से संबद्ध सुरक्षा मीडिया सेल के एक बयान के अनुसार खुफिया रिपोर्टों के आधार पर इराकी युद्धक विमानों ने इसी नाम की प्रांतीय राजधानी किरकुक के दक्षिण-पश्चिम में बगदाद से लगभग 250 किमी उत्तर में वाडी अल-शे के बीहड़ क्षेत्र में हवाई हमला किया। बयान में कहा गया है कि हवाई हमले में आईएस के चार आतंकवादी मारे गए और उनके ठिकाने नष्ट हो गए। वर्ष 2017 में आईएस की हार के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। आईएस के कुछ बचे आतंकवादी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ इलाकों में फैल गए हैं।

गोलीबारी में चार लोगों की गई जान, तीन हुए घायल

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के मेने प्रांत में मंगलवार को गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस को मंगलवार सुबह बॉडॉइन के एक घर में बुलाया गया था जहां उन्होंने कहा कि चार लोग मृत पाए गए हैं। इसके तुरंत बाद, यारमाउथ में अंतरराज्यीय मार्ग 295 पर कथित तौर पर गोलियां चलीं। जिसमें तीन लोग घायल हो गए ये सभी लोग वाहनों के अंदर थे। इस सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है लेकिन उसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। मेने राज्य पुलिस ने पुष्टि की है कि दोनों घटनायें गोलीबारी संबंधित थी, लेकिन दोनो घटनाओं का मकसद साफ नहीं हो पाया है। मेने के गवर्नर जेनेट मिल्स ने मंगलवार दोपहर ट्वीट किया कि वह हैरान और बेहद दुखी हैं।

यूक्रेन को मिला अमेरिकी मिसाइल सिस्टम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक साल से भी ज्यादा समय से जारी रूस और यूक्रेन की जंग के बीच यूक्रेन को बुधवार को अमेरिकी पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली प्राप्त हुई। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने ट्विटर के माध्यम से इस बात की जानकारी दी। ओलेक्सी रेजनिकोव ने लिखा कि आज, हमारा खूबसूरत यूक्रेनी आकाश अधिक सुरक्षित हो गया है क्योंकि यूक्रेन में पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली आ गई है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि यूक्रेन के वायुसैनिकों ने बेहद कम समय में पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली को चलाने में महारत हासिल कर ली है। ओलेक्सी रेजनिकोव ने जंग के दौरान समर्थन के लिए मित्र देशों अमेरिका, जर्मनी और नीदरलैंड को धन्यवाद भी दिया साथ ही कहा कि मुश्किल समय में पूरी दुनिया से मिल रहा समर्थन हमारे राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की की कड़ी मेहनत का नतीजा है।

इतिहास

- 1888: उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में ओले गिरने से 246 लोगों की मौत।
- 1920: अलबामा और मिसीसीपी में ये तूफान से 220 लोगों की मौत।
- 1939: जर्मनी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर के 50वें जन्मदिन को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया।
- 1940: आरसीए द्वारा पहला इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप दिखाया गया था।
- 1953: कोरिया और संयुक्त राष्ट्र सेना के बीच बीमार युद्ध बंदियों का आदान प्रदान हुआ था।
- 1960: एयर इंडिया के बेड़े में पहला जेट विमान बोइंग 707 शामिल हुआ।
- 1971: भारत ने अपना पहला टेस्ट क्रिकेट मैच जीता।
- 1992: दुनिया का सबसे बड़ा मेला एक्सपो '92, सेविले, स्पेन में खोला।
- 1997: इंद्र कुमार गुजराल भारत के 12वें प्रधानमंत्री बने।

नशा मुक्त भारत का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है केंद्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नशे को आने वाली पीढ़ियों और देश के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा है कि सरकार 2047 तक नशामुक्त भारत का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री शाह ने बुधवार को यहां आयोजित राज्यों और संघशासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रमुखों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्त भारत आने वाली पीढ़ियों और देश के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आज हम नशे के खिलाफ लड़ाई में एक ऐसे पड़ाव पर खड़े हैं कि यहां से दृढ़ संकल्प, सामूहिक प्रयासों, टीम इंडिया और व्यापक सरकार के अप्रोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो हमारी विजय निश्चित है। गृह मंत्री ने इस मौके पर एनसीबी

की वार्षिक रिपोर्ट (विशेष संस्करण), 2022 और नशामुक्त भारत - राष्ट्रीय संकल्प पुस्तिका का विमोचन भी किया। उन्होंने देश में अवैध खेती की पहचान और उसे नष्ट करने के लिए 'मैप ड्रग्स'- मोबाइल एप और वेब पोर्टल का शुभारंभ भी किया। गृह मंत्री ने एनसीबी इंदौर क्षेत्रीय इकाई के कार्यालय परिसर का ऑनलाइन उद्घाटन भी किया।

ये सिर्फ सरकार की नहीं सबकी लड़ाई

नारकोटिक्स देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने के साथ-साथ देश के अर्थतंत्र पर भी अपना दुष्प्रभाव डालता है। नारकोटिक्स की तस्करी देश के अर्थतंत्र के साथ-साथ नार्को टेरर के माध्यम से देश की सीमाओं और उनकी सुरक्षा में सेंध लगाने का काम करती है। श्री शाह ने कहा कि दुनिया के कई देश नारकोटिक्स के खिलाफ लड़ाई हार चुके हैं लेकिन भारत आज एक ऐसे पड़ाव पर है कि इस लड़ाई को हम 130 करोड़ की आबादी वाले देश के संकल्प के साथ जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई को हारने के तीन कारण हो सकते हैं- ये लड़ाई सिर्फ सरकार की लड़ाई नहीं है, बल्कि पूरी जनता की लड़ाई है।

एक दिन में 324 प्रिंसिपलों की नियुक्ति ऐतिहासिक : एलजी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से बुधवार को 324 प्रिंसिपल की नियुक्ति करना ऐतिहासिक कदम है। श्री सक्सेना ने बुधवार को यहाँ दिल्ली के नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में कहा कि पिछले दस महीने में दिल्ली सरकार ने करीब 15 हजार लोगों को स्थाई सरकारी देने में सफलता हासिल की, इसके लिए सभी अधिकारी बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने 1500 लोगों को मिलने वाले नियुक्ति पत्र के लिए बधाई देते हुए कहा कि इसे सिर्फ नियुक्ति पत्र नहीं बल्कि शपथ पत्र समझकर ईमानदारी से सेवा करने का संकल्प लें। 2010-11 से यहां के स्कूलों में प्रिंसिपल के पद खाले थे,324 प्रिंसिपल की नियुक्ति पत्र दिया गया जो ऐतिहासिक कदम है।

भारत-थाईलैंड में रक्षा वार्ता आज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और थाईलैंड के बीच रक्षा वार्ता की आठवीं बैठक गुरुवार को बैंकाक में होगी। रक्षा मंत्रालय में विशेष सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा तथा थाईलैंड के उप स्थायी सचिव जनरल नुचिट श्रीबुनसॉन्ग इस बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे। बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा की जाएगी तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए नई पहलों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

दोनों पक्ष साझा हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके साथ ही विशेष सचिव थाईलैंड के रक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव, जनरल सानिचनोग संगकचांत्र से भी मुलाकात करेंगी। भारत और थाईलैंड रणनीतिक साझेदार हैं और रक्षा इस सहयोग का एक प्रमुख स्तंभ है।

प्रोडक्शन हाउस पर आईटी रेड

मुंबई में टैक्स चोरी

मुंबई, (एजेंसी)। टैक्स चोरी को लेकर इनकम टैक्स विभाग ने मुंबई में कई प्रोडक्शन हाउस पर छापेमारी की है। इस दौरान प्रोड्यूसर विनोद भानुशाली के बीकेसी स्थित भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और हिट्स म्यूजिक समेत विनोद भानुशाली के घर, दफ्तर पर छापेमारी की गई है। इसके अलावा प्रोडक्शन हाउस पेन के जयंतीलाल गड़ा के यहां भी इनकम टैक्स का सर्च ऑपरेशन जारी है।

इनके अलावा तीन और प्रोडक्शन हाउस पर इनकम टैक्स का सर्च ऑपरेशन जारी है। आर्थिक अनियमतता और टैक्स एविजेन को लेकर इनकम टैक्स में गड़बड़ी को लेकर आईटी का ये सर्च ऑपरेशन चल रहा है। बता दें कि विनोद भानुशाली 'कबीर सिंह', 'साहो', 'बाटला हाउस', 'थप्पड़' और 'तानाजी द अनसंग वॉरियर' जैसी फेमस फिल्मों के सह निर्माता रहे हैं। विनोद ने बहुत जूनियर लेवल पर टी सीरीज के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर वह यहां काफी आगे तक गए। जब उन्होंने ये कंपनी छोड़ी, उस वक्त वह यहां पर प्रेसिडेंट बन चुके थे।

किसान की परेशानी को करेगा ड्रोन दूर, खेती भी होगी भरपूर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ड्रोन के उपयोग को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है और देश की कृषि व्यवस्था में ड्रोन तकनीक ना केवल फसल की गुणवत्ता को बढ़ाने में बल्कि ओलावृष्टि या बाढ़ की आपदा में नुकसान के आकलन एवं बीमा दावों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ड्रोन तकनीक दरअसल किसानों की सबसे बड़ी मित्र तकनीक साबित हो रही है। ड्रोन के साथ फसलों के गहन पड़ताल या एमआरआई तकनीक के प्रयोग से यूरिया एवं कीटनाशकों के सटीक उपयोग और फसल के सर्वाधिक पोषक होने के बारे में भी पता चल जाता है और इससे उत्पादकता एवं पोषणीयता भी बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारतीय ड्रोन महासंघ के संस्थापक एवं देश की पहली ड्रोन पायलट प्रशिक्षण अकादमी ड्रोन डेस्टीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिराग शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का उपयोग क्रांतिकारी परिणाम लाने में सक्षम है।

दिल्ली में एपल स्टोर की ओपनिंग से पहले टिम कुक ने की पीएम मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में एपल स्टोर के खोलने से एक दिन पहले कंपनी के सीईओ टिम कुक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बुधवार को मुलाकात की। टिम कुक ने ट्वीट किया है कि गर्मजोशी से स्वागत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। हम भारत के भविष्य पर प्रौद्योगिकी के सकारात्मक प्रभाव के आपके दृष्टिकोण को साझा करते हैं - शिक्षा और डेवलपर्स से लेकर विनिर्माण और पर्यावरण तक, हम देश भर में बढ़ने और निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टिम कुक के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा कि विविध विषयों पर विचारों के आदान-प्रदान और भारत में हो रहे तकनीक-संचालित परिवर्तनों पर चर्चा में अच्छा लगा।

सूडान संघर्ष में 270 की गई जान

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान के स्वास्थ्य आपात संचालन केंद्र ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सूचित किया है कि सूडान में संघर्ष में करीब 270 लोग मारे गए हैं और 2,600 से अधिक घायल हुए हैं। डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा था कि सूडान में 185 लोग मारे गए हैं और लगभग 1,800 घायल हुए हैं।

महानिदेशक ने कहा कि सूडान गणराज्य में स्थिति गंभीर रूप से चिंताजनक है। अब तक सूडान के स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने रिपोर्ट दी है कि ऐसी खबरें थीं कि देश में कुछ चिकित्सा सुविधाओं को लूटा जा रहा है या सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि सूडान के अस्पतालों में चिकित्सा कर्मियों और आपूर्ति की कमी के साथ-साथ बिजली की कमी, बिजली जनरेटर के लिए ईंधन की कमी, पानी की कटौती और अन्य कारक हैं जो स्वास्थ्य कर्मियों और एंबुलेंस के लिए चुनौतियां पैदा करते हैं और अधिक जीवन को जोखिम में डालते हैं।

महानिदेशक ने कहा कि डब्ल्यूएचओ सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए कहता है।

कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी होगा साथी पोर्टल

केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने बीज संबंधी साथी पोर्टल व मोबाइल एप्लीकेशन किया लांच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीज उत्पादन की चुनौतियों से निपटने, गुणवत्तापूर्ण बीज की पहचान और बीज प्रमाणीकरण के लिए बनाए गए साथी पोर्टल व मोबाइल एप्लीकेशन को आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लांच किया।

उत्तम बीज- समृद्ध किसान की थीम पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एनआईसी ने इसे बनाया है। इस मौके पर श्री तोमर ने कहा कि भारत सरकार कृषि के समक्ष विद्यमान चुनौतियों और कठिनाइयों को विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से दूर करने की लगातार कोशिश कर रही है। साथी पोर्टल भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब इसका प्रयोग नीचे तक शुरू होगा तो कृषि के क्षेत्र में यह क्रांतिकारी कदम साबित होगा। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा भारत के लिए कृषि का बड़ा महत्व है। बदलते परिदृश्य में यह महत्व और बढ़ गया है।

पहले हमारे लिए खेती में अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति का ही लक्ष्य रहता था, लेकिन वर्तमान में दुनिया की अपेक्षाएं भी भारत से बढ़ रही हैं। ऐसे में कृषि की तमाम चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन आदि से निपटते हुए हम दुनिया की मदद कर सकें, यह हमारी जिम्मेदारी है। कृषि में बीज, कीटनाशक, उर्वरक और सिंचाई की प्रमुख भूमिका है।

महाराष्ट्र में जेल गतिविधियों पर ड्रोन से नजर : आईजी

पुणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की जेलों पर अब ड्रोन से नजर रखी जा रही है जिससे जेल के अंदर बंदियों की सुरक्षा और आवाजाही पर पैनी नजर रखने में मदद मिलेगी।कारागार एवं सुधार सेवा महानिरीक्षक (आईजी) अमिताभ गुप्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में बुधवार को कहा कि पहले चरण में 12 स्थानों पर ड्रोन से गश्त की जाएगी।

उप महानिरीक्षक कारागार स्वाति साठे पश्चिम मंडल, कारागार मुख्यालय के उप महानिरीक्षक सुनील धमाल, यरवदा जेल अधीक्षक रानी भोसले, प्राचार्य दौलतराव जाधव जेल अधिकारी प्रशिक्षण महाविद्यालय यरवदा चंद्रमणि इंदुरकर के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर उपस्थित थे।आईजी ने कहा कि जेल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ड्रोन निगरानी प्राथमिकता रही है।

अयोध्या में कृष्ण शिला से तराश कर बनाई जाएगी रामलला की प्रतिमा

अयोध्या, (एजेंसी)। अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर के मूल गर्भगृह में राम लला की बाल्यकाल की पांच फीट ऊंची, धनुर्धारी रूपी प्रतिमा स्थापित की जाएगी जो कर्नाटक से लाई गई 'कृष्ण शिला' को तराश कर बनाई जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मंगलवार देर शाम संपन्न हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। रामलला की नई मूर्ति को लेकर विचारविमर्श करने के लिए अयोध्या में ट्रस्ट की दो दिवसीय बैठक सोमवार से आयोजित हुई थी।

ट्रस्ट के सदस्य, उडुप्पी के संत स्वामी तीर्थ प्रसन्नाचार्य ने बुधवार को बताया कि भगवान राम की नई प्रतिमा पांच फीट ऊंची होगी। खड़ी मुद्रा वाली यह प्रतिमा धनुष बाण लिए हुए पांच साल के बच्चे के रूप में होगी। प्रसन्नाचार्य ने कहा कि मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज, अयोध्या में कर्नाटक के करकर गांव और हेगे देवेन कोटे गांव से लाई गई कृष्ण शिलाओं को प्रतिमा बनाने के लिए तराशेंगे। योगीराज तय करेंगे कि वह किस पत्थर पर मूर्ति बनाएंगे।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि हमें शीर्ष संतों और हिंदू विद्वानों से सुझाव मिले हैं कि राम लला की प्रतिमा उनके बाल्यकाल की, करीब पांच-छह साल के बच्चे की तरह होनी चाहिए। विचार यह है कि केवल एक, खड़ी मुद्रा वाली प्रतिमा बनाई जानी चाहिए। राय ने कहा कि शीर्ष संतों, भूवैज्ञानिकों, मूर्तिकारों, हिंदू धार्मिक ग्रंथों के विशेषज्ञों, इंजीनियरों और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के एक उच्च स्तरीय दल ने चट्टानों पर गहन तकनीकी और धार्मिक अध्ययन किया जिसके बाद प्रतिमा निर्माण के लिए कृष्ण शिला का चयन किया गया। उन्होंने कहा कि अगले साल मकर संक्रान्ति पर्व पर मंदिर के मूल गर्भगृह में राम लला की नयी प्रतिमा की स्थापना के लिए श्रद्धालु बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नेपाल के राष्ट्रपति को सांस की तकलीफ, एम्स में भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौंडेल को सांस लेने में परेशानी के कारण बुधवार को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया।

श्री पौंडेल को मंगलवार को देर शाम महाराज गंज के त्रिभुवन शिक्षण अस्पताल विश्वविद्यालय में भर्ती कराया गया था। उनका ऑक्सीजन स्तर बहुत घट गया था। उनको हवाई एंबुलेंस के जरिए नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर लाया गया।

सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में श्री पौंडेल की छाती में संक्रमण पाया गया है। उनका इलाज दिल्ली के एम्स में होगा। श्री पौंडेल के साथ उनके पुत्र चिंतन पौंडेल तथा अन्य लोग आए हैं। फिलहाल अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है।

पुत्र चिंतन पौंडल और अन्य लोग साथ आए

हिलव्यू समाचार

विविध

जयपुर, शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023 **08**

एक नज़र

संजय अग्रवाल की एयू एसएफबी के एमडी और सीईओ के रूप में 3 साल के लिए फिर से नियुक्ति

संजय अग्रवाल , एमडी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

उत्तम टिबरेवाल , कार्यकारी निदेशक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

■ **शुरुआत के पहले 5 वर्षों में क्रेडिट कार्ड लांच करने वाला एकमात्र बैंक बना एयू**

■ **उत्तम टिबरेवाल को भी होल टाइम डायरेक्टर के रूप में 3 साल की फिर से नियुक्ति**

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 18 अप्रैल को भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के अभूतपूर्व प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने संजय अग्रवाल को एमडी और सीईओ और उत्तम टिबरेवाल को होल टाइम डायरेक्टर के रूप में 3 साल के लिए फिर नियुक्ति की मंजूरी दे दी है।

2017 और 2020 के बाद 2023 में पुनः यानी तीसरी बार तीन साल की नियुक्ति बैंक के शेयर धारकों निदेशक मंडल और रिजर्व बैंक के उनके प्रति भरोसे को दर्शाता है। रिजर्व बैंक जैसे एक प्रतिष्ठित रेग्युलेटर द्वारा दिया गया यह रीजनल रिन्यूअल काफी महत्वपूर्ण है और यह बैंक की गवर्नेंस और रिस्क मैनेजमेंट प्रैक्टिस के सही दिशा में होने का प्रमाण भी है। यह नियुक्ति 19 अप्रैल से लागू हो गई है।

अपनी बैंकिंग यात्रा के पहले छह वर्षों में एयू बैंक ने कई बाधाओं का सामना किया जैसे कि डेमोनिटाइजेशन, जीएसटी इंप्लीमेंटेशन, एनबीएफसी संकट, पीएमसी बैंक की विफ़लता और एक बड़े निजी बैंक पर मोरिटोरियम जिसने छोटे बैंकों के डिपॉजिट की सुरक्षा पर सवाल उठाए । कॉविड महामारी के दौरान स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण बन गयी थी लेकिन एयू बैंक ने न सिर्फ़ डटकर मुक़ाबला किया मुसीबतों का बल्कि इसी दौरान इन्नोवेटिव और ग्राहक केंद्रित सेवाओं से अपने आपको देश के सबसे पहले स्माल फाइनेंस बैंक में स्थापित किया।

पिछले 3 वर्षों में बैंक के लिए सबसे बड़ी परीक्षा थी अपने एमएसएमई और सेल्फ एंप्लॉयड ग्राहक वर्ग की सेवा करते हुए अपनी एसेट क्वालिटी को मज़बूत बनाए रखना। संजय अग्रवाल के सक्षम नेतृत्व में बैंक द्वारा लागू की गई रणनीतियों की वजह से बैंक दिसंबर 2022 तक अपने एनपीए को 1.8 तक कायम रखने में सक्षम हुआ।

एयू की विकास की कहानी राजस्थान से प्रारंभ हुई है जहाँ एयू ने उन लोगों के सपनों को पूरा करने में मदद की जिनके पास आकांक्षाएँ और कौशल तो थे लेकिन वित्तीय सहायता की कमी थी । एयू ने पिछले 28 वर्षों से बैंकिंग से वंचित लोगों को लगातार सेवाएं दी है।

गाँव - गाँव तक पहुंच कर ग्रामीण और अर्धशहरी व्यवस्था की गहरी समझ ने एयू को आम जनता के लिए एक ऐसा मंच बना दिया जो इंक्लूजिव विकास करते हुए इंडस्ट्री फर्स्ट प्रोडक्ट की पेशकश करता है जैसे की बचत खाते पर मासिक ब्याज भुगतान, शाखाओं पर लंबे समय तक सेवाएं मिलना, वीडियो बैंकिंग, नो होम ब्रांच, शाखाओं में बिना भौतिक फॉर्म के जमा व निकासी करना आदि।

साथ ही बैंक ने एयू 0101 वीडियो बैंकिंग व्यापारियों के लिए क्यूआर कोड और क्रेडिट कार्ड जैसे उत्पादकों के साथ डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला शुरू की । पहले 5 वर्षों में क्रेडिट कार्ड लांच करने वाला यह एकमात्र बैंक बना। ग्राहक सुविधा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैंक में 10 लाख क्यूआर कोड स्थापित किए 05 लाख क्रेडिट कार्ड दिए गए वीडियो बैंकिंग के माध्यम से ढाई लाख ग्राहकों को जोड़ा गया और 18 लाख ग्राहक अब AU 0101 लाइव हैं।

कर्मचारियों की संख्या तीस हज़ार हो गयी है और जिसमें दो महिला निदेशक सहित 10 में से 08 स्वतन्त्र निदेशक हैं।

जयपुर बाग़ के मालिक को लौटानी होगी विवाह की अग्रीम जमा शेष एक लाख रुपये की राशि !

साथ ही भुगतान करेगा मानसिक संताप के दस हज़ार और परिवाद व्यय ख़र्च के पाँच हज़ार

एडवोकेट कमलेश कुमार

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। एडवोकेट कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि कॉविड की दूसरी लहर के कारण लॉकडाउन के साथ-साथ सामाजिक उत्सवों व गतिविधियों पर रोक लगा दी गयी थी अतः बुकिंग केंसल हो गयी और विवाह नहीं हुआ किन्तु जयपुर बाग़ मैरिज गार्डन के मालिक राशि देने को राजी नहीं थे। कुल राशि में से एक लाख रुपये रोक ली गयी अतःपरिवादी सुरेश नागर पुत्र पीसी नागर झोटवाड़ा निवासी ने होटल जयपुर बाग़ के मालिक वैभव गुप्ता एवं मैनेजर लक्ष्य अग्रवाल के विरुद्ध परिवाद लगवाया जो कि धारा 35 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत पेश किया गया किन्तु विपक्षीगण की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। अतः मानसिक संताप की क्षति पूर्ति के साथ शेष राशि को भी वापसी करने के आदेश जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय जयपुर द्वारा दिये गए।

पूरा मामला

सुरेश नागर परिवादी ने जयपुर बाग़ वेडिंग गार्डन के 45 कॉटेज रूम एंड एक बैंक्वेट हॉल एवं लोन नंबर 3 अपनी बेटी के विवाह के समारोह के लिए 5 जून 2021 को एवं 6 जून 2021 के लिए बुक किया था जिसके लिए दो लाख पचास रूपये की अग्रिम राशि 16 मार्च व 18 मार्च 2021 को जमा कर दी गई । हालांकि इसको संपन्न होने वाले विवाह समारोह में लगने वाले कुल खर्चे को समायोजित किया जाना था। किन्तु कोविड-19 की महामारी की दूसरी लहर आने की वजह से केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार स्थानीय क्षेत्र में लॉकडाउन लगाया जाकर सभी तरह की गतिविधियाँ व सामाजिक समारोह बंद कर दिए गए जिसकी वजह से यह विवाह संभव नहीं हो पाया। इसके पश्चात बुक कराने वाले व्यक्ति सुरेश नागर ने जयपुर बाग मैरिज गार्डन पर पूरी वापसी राशि के लिए बातचीत की लेकिन राशि नहीं लौटाई गई और 7 सितंबर 2021 को परिवादी सुरेश नागर को एक लाख पचास हज़ार की राशि जरिए चेक 9 सितंबर 2021 अंकित कर दी गयी। लेकिन एक लाख रुपये फिर भी न देने की मंशा से रोक लिए गए। केंद्र सरकार व राज्य सरकार के आदेशों व निर्देशों के ख़िलाफ़ जाकर इस तरह की राशि रोकना अपने आप में एक अपराधिक कृत्य था जिसकी वजह से पीड़ित को मानसिक सन्ताप तो हुआ ही आर्थिक हानि की आशंका ने भी आ घेरा। पीड़ित ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय जयपुर में अपनी गुहार लगाई जिसके पीठासीन अधिकारी ग्यारसी लाल मीणा अध्यक्ष और श्रीचंद्र तेतरवाल सदस्य ने निर्णय सुनाते हुए फैसला दिया कि परिवादी गण को शेष एक लाख की राशि लौटाई जाए और इसके अतिरिक्त 9% वार्षिक दर के हिसाब से ब्याज अदा किया जाए और परिवादी को मानसिक संताप की क्षतिपूर्ति के पेटे दस हज़ार रुपये और परिवाद व्यय के खर्चे के प्रति पाँच हज़ार रुपये भी अदा किए जाएँ। इस प्रकार यह फैसला दिया गया और आदेश किए गए कि इन आदेशों की एक-एक प्रति परिवादी के अतिरिक्त विपक्षी गण को भी रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजी जाए और एक माह में विपक्षी गण यह राशि अदा करें।

सूदखोरों पर कार्यवाही के लिए पुलिस मुख्यालय दे चुका हैं आदेश सभी जिला एसपी को!

पुलिस मुख्यालय ने करीब दो माह पहले सभी जिला एसपी को अपने जिलों में ब्याज़ माफ़िया को चिन्हित कर कार्यवाही के निर्देश दिए थे जिससे प्रदेश में ब्याज़ माफ़िया से प्रताड़ित होकर कोई भी व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम नहीं उठाए। बिना रजिस्टर्ड के काम करने वाले ब्याज़ माफ़िया जरूरतमंद लोगों को बातों में फंसा रहे हैं और फिर उनके मन माफ़िक़ पैसा देकर मन माफ़िक़ ब्याज़ वसूल रहे हैं और समय पर पैसे नहीं चुकाने पर भारी पेनल्टी लगा रहे हैं । ऐसे में ज़रूरतमंद लोगों को सरकार से रजिस्टर्ड वित्तीय संस्थाओं से ही लोन लेना चाहिए यह भी जागरूकता फैलाएं

ब्याज़ माफ़ियाओं का फलता फूलता व्यापार जान ले रहा ज़रूरतमंद आदमी की !

ब्याज़खोरों के चंगुल में आकर पीड़ित कर रहे आत्महत्या!

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। एडवोकेट कमलेश शर्मा ने बताया कि संजय महावर पुत्र पारस चंद महावर ने सूदखोरों और ब्याज़खोरो से पीड़ित होकर परिवाद प्रस्तुत किया है ।

संजय महावर ने नामजद राजेश कुमार शर्मा पुत्र गौरीशंकर शर्मा निवासी आगरा रोड, जितेश कुमार शर्मा पुत्र गौरीशंकर शर्मा,रवि शंकर शर्मा पुत्र बद्रीनारायण शर्मा,मंजू शर्मा पत्नी रविशंकर शर्मा निवासी निधिवन नगर दौसा, नवल शर्मा भंडाणा, रजत गुप्ता दौसा सहित अन्य कई अपराधिक प्रवृत्ति के सहयोगी व्यक्तियों इनके ख़िलाफ़ एफ आई आर दर्ज करवाई है कि यह लोग ज़रूरतमंद लोगों को फंसा लेते हैं और उच्च ब्याज दर पर ऋण देकर मनमाना ब्याज़ वसूल करते हैं। समय पर पैसा नहीं चुकाने की स्थिति में ब्याज़ पर पैसा लेने वालों के लोगों पर भारी भरकम पेनल्टी लगा कर उनकी चल-अचल संपत्ति हड़प लेते हैं और उसके बाद में भी मोटी रकम वसूलने की कोशिश की जाती है।

ज़रूरतमंद लोग ब्याज़ माफियाओं के चंगुल में फंस जाते हैं और इनके द्वारा दी गई धमकियों से आर्थिक मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलते हैं और ऐसी स्थिति में कई बार आत्महत्या का रास्ता भी अपना लेते हैं। इस तरह का अपराध लगातार बढ़ रहा है राज्य में और भी इस तरह के कई मामले आये हैं जिनका ख़ुलासा अगले अंक में विस्तार से किया जाएगा। कई सारे मामले और भी आए हैं जिन्हें प्रतिष्ठित अखबारों में प्रकाशित भी किया गया कि पीड़ित ने आत्महत्या कर ली। ऐसी आपराधिक गतिविधियों पर प्रशासन और सरकार को भी ध्यान देने की आवश्यकता है और कड़े नियम निर्देश प्रशासन को देने की आवश्यकता है।

विश्व विरासत दिवस पर बैंड की धुनों से सराबोर हुआ अल्बर्ट हॉल

तस्वीरों में उकेरी 'आज़ाद' की शौर्य गाथा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। चंद्रशेखर आजाद की शहीद होते हुए फोटोज, उनकी साइकिल और मूंछों पर ताव देते एक शेर का रुतबा। यह सब ऐतिहासिक विरासत अल्बर्ट हॉल में युवाओं को जोश से भर गया। हर उम्र के लोगों ने आजाद को याद किया और उनकी शौर्य की गाथा सुनी व सुनाई। अवसर था विश्व विरासत दिवस पर सेंट्रल म्यूजियम अल्बर्ट हॉल पर हुए प्रोग्राम्स में लगाई गई प्रदर्शनी का, जिसका उदघाटन प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला, संस्कृति, साहित्य व पुरातत्व विभाग गायत्री राठौड़ ने किया।

पावणे हुए अभिभूत

इस मौके पर पावणों का तिलक लगाकर व पुष्प भेंट कर वेलकम किया तो वे अभिभूत हो उठे। साथ ही शहनाई वादन से उनका स्वागत किया गया। दूसरी ओर इस मौके पर एक नुक्कड़ नाटक भी खेला गया, जिसमें कलाकारों ने हमारी संस्कृति विरासत की रक्षा संदेश देते हुए जीवंत अभिनय किया।

अल्बर्ट हॉल में प्रदर्शनी लगाई

शाम को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में लगाई गई प्रदर्शनी में आजादी की शौर्य गाथा चित्रों के जरिए दर्शाई गई। इस दौरान आजाद की घटनाओं को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। प्रदर्शनी में उनके क्रांतिकारी बनने की कहानी प्रस्तुत की गई है। अचूक निशानेबाजी, प्रत्युत्पन्नमति, अपरिमित शारीरिक शक्ति व अच्युत देश भक्ति को दर्शाया गया। प्रदर्शनी को सफल बनाने में 30 साल से आजाद पर रिसर्च कर रहे डॉ. सत्यव्रत त्रिपाठी का क्यूरेशन रहा। ऐसे में आजादी की प्रिय पिस्तल माउजर व कोल्ट जैसे शस्त्रों पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही उनके जन्म स्थल से लेकर अंत्येष्टी स्थल तक का उल्लेख किया गया। साथ ही काकोरी कांड, असेम्बली बंब आदि की घटनाएं शामिल हैं।

लैक्चर में दी रोचक जानकारी

प्रोफेसर धर्मचंद चौबे ने आजाद के जीवन पर एक लैक्चर भी दिया, जिसमें कई रोचक जानकारी युवाओं को मिली। उन्होंने बताया कि आजाद चाहते थे अच्छा कॅरियर बना सकते थे। इसके बाद भी उन्होंने अंग्रेजों की नींव हिला कर रख दी। कई अभावों में भी उनको रहना पड़ा। कल्चरल प्रोग्राम में दे नेमलेस बैंड की धुनों ने हर किसी को रुमानी किया। उन्होंने पधारो म्हारे देश... चौधरी... हरियाला बना... ओ रे पिया... के साथ देश भक्ति गीतों से समां बांध दिया।

राजस्थान के मनमोहन हर्ष ने जीता 'फर्स्ट रनरअप' प्राइज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर यूथिस्थान फाउंडेशन दिल्ली की ओर से आयोजित नेशनल लेवल आर्टिकल राइटिंग कॉम्पिटिशन 'द ट्रेलब्लेजर्स-2023' में राजस्थान के मनमोहन हर्ष ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंन 'फर्स्ट रनर अप' पुरस्कार जीता। उनके स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केन्द्रित आलेख 'स्वामी विवेकानंद का जीवन संदेशः सकारात्मक ध्वनियों-सद्विचारों का सार्वभौमिक कोष' को दो आलेखों में शामिल किया गया। इस उपलब्धि पर यूथिस्थान फाउंडेशन की ओर से हर्ष को 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस, ट्रॉफी और पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। राजस्थान सूचना व जनसम्पर्क सेवा के अधिकारी हर्ष वर्तमान में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर में उप निदेशक (जनसम्पर्क) पद पर हैं। वे 33 वर्षों से देश की पत्र-पत्रिकाओं में स्वतंत्र लेखक, स्तंभकार और टिप्पणीकार (फ्रीलांसर) के रूप में खेल और समसामयिक विषयों पर योगदान दे रहे हैं। यूथिस्थान फाऊंडेशन दिल्ली की निदेशक अरुणा श्रीवास्तव के अनुसार प्रतियोगिता में देश से 8 भाषाओं में लगभग 600 प्रविष्टियां मिलीं थी।

डीजीपी ने किया हेकाथॉन पोर्टल का शुभारंभ

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस स्थापना समारोह के तहत शास्त्री नगर स्थित आरपीए सभागार में मंगलवार को राजस्थान पुलिस हेकाथॉन पोर्टल का डीजीपी उमेश मिश्रा ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस समुदाय आउटरीच से साइबर अपराध निस्तारण विषय पर सेमीनार भी हुई, जिसमें एडीजीपी केरल मनोज अब्राहम, फाउंडर टैक कॉन्प्रो संजय सहाय, प्रो. आईआईटी जोधपुर डॉ. सोमित्र सनाढ्य और सीआईओ एयू स्माल फाइनेंस बैंक अंकुर त्रिपाठी ने विचार व्यक्त किए। मिश्रा ने कहा कि साइबर अपराधों की शिकायत 1930 नम्बर पर अथवा साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर दर्ज करा सकते हैं। डीजीपी साइबर सुरक्षा डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि 50 करोड़ से सेन्टर फॉर साइबर सिक्युरिटी की स्थापना की जा रही है। एडीजीपी केरल मनोज अब्राहम ने कहा कि पूर्ण सायबर सुरक्षा सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती है।

राजस्थान विधानसभा की 19 समितियों का किया गठन

राठौड़, डोटासरा, पारीक, शेखावत, चंदेलिया को बनाया सभापति

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने राजस्थन विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के तहत 19 समितियों का गठन किया है।

जोशी ने जन लेखा समिति में राजेन्द्र राठौड़, प्राक्लकन समिति क, राजेन्द्र पारीक, प्राक्लकन समिति ख दयाराम परमार और गोविन्द सिंह डोटासरा को राजकीय उपक्रम समिति 2023-24 का सभापति नियुक्त किया है। इन सभी समितियों का कार्यकाल 31 मार्च, 2024 अथवा 15 वीं विधानसभा के कार्यकाल समाप्त होने से जो भी पूर्व होगा, तक होगा।

जनलेखा समिति- राजेन्द्र राठौड़ (सभापति), परसराम मोरदिया, मेवाराम जैन, गुरमीत सिंह कुनर, गोपाल लाल मीना, रोहित बौहरा, दिव्या मदेरणा, जगदीश चन्द्र, कालीचरण सराफ, वासुदेव देवनानी, मदन दिलावर, ज्ञानचंद पारख, संयम लोढ़ा, महादेव सिंह।

प्राक्कलन समिति 'क'- राजेन्द्र पारीक (सभापति), भरोसी लाल, हरीश चन्द्र मीना, पानाचन्द मेघवाल, जौहरीलाल मीना, सुदर्शन सिंह रावत, बिधुरी राजेन्द्र सिंह, जोगेशवर गर्ग, चन्द्रकान्ता मेघवाल, अभिनेश महर्षि, चन्द्रभान सिंह आक्या, सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राजकुमार गौड़, रामकेश।

प्राक्कलन समिति 'ख'- दयाराम परमार, बाबूलाल (कठूमर),

यह रहेगी कमेटियां

पदमाराम, सफिया जुबेर, दानिश अबरार, लाखन सिंह, प्रताप सिंह, नरपत सिंह राजवी, पुष्पेन्द्र सिंह, सतीश पूनियां, बलजीत यादव।

राजकीय उपक्रम समिति- गोविन्द सिंह डोटासरा (सभापति), मदन प्रजापत, निर्मला सहरिया रूपाराम (जैसलमेर), वीरेंदर सिंह, रामलाल शर्मा, निर्मल कुमावत, विट्ठल शंकर अवस्थी, रामप्रताप कासनियां, कान्ति प्रसाद, लक्ष्मण मीणा।

नियम समिति- अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी (पदेन सभापति), वसुंधरा राजे, कैलाश चन्द्र मेघवाल, परसराम मोरदिया, भरत सिंह कुन्दनपुर, राकेश पारीक, अमीनुद्दीन कागजी, धर्मनारायण जोशी, संयम लोढ़ा।

सदाचार समिति- दीपेन्द्र सिंह, वसुंधरा राजे, सचिन पायलट, सूर्यकान्ता व्यास, संदीप शर्मा, पब्बाराम, रघु शर्मा, हरीश चौधरी।

स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं संबंधी समिति- डॉ. राजकुमार शर्मा (सभापति), अमित चाचाण, रामलाल, पृथ्वीराज, हरेन्द्र निनामा, सुभाष पूनियां, बिहारीलाल, बलवान पूनियां, सुरेश टाक, राजकुमार रोत, रफीक खान, नारायण सिंह देवल, मंजीत धर्मपाल, अनिल कुमार शर्मा।

विशेषाधिकारी समिति- जे.पी. चंदेलिया (सभापति), रीटा चौधरी, गंगा देवी, प्रशान्त बैरवा, विजयपाल मिर्धा, वेद प्रकाश सोलंकी, संदीप कुमार, रामस्वरूप लांबा, सुमित गोदारा, आलोक बेनीवाल, कृष्णा पूनियां।

सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति- गुरमीत सिंह कुनर (सभापति), सुरेश मोदी, इन्द्राज सिंह गुर्जर, संदीप शर्मा, गोपाल लाल शर्मा, पुखराज, बाबूलाल नागर, आलोक बेनीवाल।

पर्यावरण संबंधी समिति- मंजु देवी (सभापति), किशनाराम विशनोई, महेन्द्र बिशनोई, राकेश पारीक, गणेश घोघरा, बाबूलाल (झाडोल), हमीर सिंह भायल, खुशवीर सिंह, हाकम अली खां।

पुस्तकालय समिति- रामनारायण मीना (सभापति), रामनिवास गावडिया, गोविन्द प्रसाद, सुसिद्धि कुमारी, जोराराम कुमावत, धर्मनारायण जोशी, संजय शर्मा।

महिलाओं एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति- अनिता भदेल (सभापति), निर्मला सहरिया, मीना कंवर, मनीषा पंवार, गायत्री त्रिवेदी, प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत, सूर्यकान्ता व्यास, शोभारानी कुशवाह, कल्पना देवी, दीप्ति किरण माहेश्वरी।

इन समितियों का भी हुआ गठन- पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति, अनुसूचित जनजाति कल्याण समितिरू, अनुसूचित जाति कल्याण समिति, अल्पसंख्यकों के कल्याण संबंधी समिति, प्रश्न एवं संदर्भ समिति और अधीनस्थ विधान संबंधी समिति

प्राथमिक उपचार पर बर्न पोस्टर का विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जन साधारण की जागरूकता के लिए निर्मित पोस्टर का विमोचन किया गया। विमोचन मंत्री बी. डी. कल्ला ने अपने निवास पर किया। जलने के बाद प्राथमिक उपचार पर केंद्रित पोस्टर डॉ. मालती गुप्ता आचार्य व पूर्व विभागाध्यक्ष प्लास्टिक सर्जरी और बर्न्स विभाग एसएमएस ने तैयार किया है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि जलने के बाद प्राथमिक उपचार विषय के महत्व को देखते हुए तथा इस विषय में आमजन में व्यापक रूप से व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के लिए पोस्टर सरल भाषा में कविता को स्कूल पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)